प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-183 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 28 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

दिल्ली में बढ़ा स्वाइन फ्लू ,मथुरा पर मंडराया खतरा

राजधानी में 1700 से अधिक मामले मिलने से बढ़ी चिंता

रोजाना आवाजाही के चलते निगरानी बढ़ाने की तैयारी

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामले लगातार बढ़ने से जिले के स्वास्थ्य विभाग की चिंता भी बढ़ गई है। दिल्ली में अब तक 1700 से अधिक लोगों में एच–1, एन–1 संक्रमण की पुष्टि होने की जानकारी सामने आई है। मथुरा जिले से नौकरी, कारोबार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए रोजाना बड़ी संख्या में लोगों का दिल्ली आना–जाना होता है। ऐसे में संक्रमण के जिले तक पहुंचने की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एहतियाती तैयारियां शुरू कर दी हैं।

स्वाइन फ्लू इन्फ्लुएंजा–ए विषाणु से होने वाला संक्रामक रोग है। संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या उसके नजदीकी संपर्क में आने से संक्रमण फैल सकता है। मौसम में बदलाव के साथ सर्दी, जुकाम, बुखार और सांस लेने में परेशानी के मरीजों की संख्या बढ़ने लगती है। ऐसे में सामान्य मौसमी बीमारी और स्वाइन फ्लू के लक्षणों में अंतर कर संदिग्ध मरीजों की पहचान करना स्वास्थ्य विभाग के लिए जरूरी होगा।

ये लक्षण दिखें तो रहें सावधान

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, शरीर में दर्द और अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। ऐसे लक्षण होने पर खुद से दवा लेने के बजाय चिकित्सक से परामर्श लेना बेहतर है। खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को ढकना, हाथों की सफाई रखना और बीमार होने पर भीड़भाड़ से बचना संक्रमण के प्रसार को रोकने में मददगार हो सकता है।

स्वास्थ्य विभाग जिला अस्पताल के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बुखार, खांसी, जुकाम और सांस संबंधी परेशानी वाले मरीजों पर निगरानी बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। संदिग्ध मरीज मिलने पर उनकी जांच और उपचार की व्यवस्था की जाएगी। गंभीर स्थिति होने पर मरीज को उच्च चिकित्सा केंद्र भेजा जाएगा।

जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. नीरज अग्रवाल ने बताया कि फिलहाल जिले में स्वाइन फ्लू को लेकर कोई स्थिति नहीं है। दूसरे राज्यों में बढ़ते मामलों को देखते हुए सतर्कता बरतना और पहले से तैयारी रखना जरूरी है। चिकित्सकों ने लोगों से बाहर निकलते समय मास्क लगाने और भीड़भाड़ वाली जगहों पर सावधानी बरतने की अपील की है।

जिले में नहीं मिला एक भी केस: सीएमओ

यूनिक समय, मथुरा। सीएमओ डा. राधाबल्लभ ने बताया कि स्वाइन फ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क है। बीमारी की रोकथाम को निगरानी के साथ जांच कराई जा रही है। अभी तक जिले में स्वाइन फ्लू का एक भी मामला सामने नहीं आया है। जिले में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत लोगों की जांच कराई गई है। जांच में स्वाइन फ्लू का कोई मामला नहीं मिला। इन्फ्लुएंजा ए की आरटी–पीसीआर जांच भी कराई गई है, अभी तक किसी मरीज में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बीमारी को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है। सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर आने वाले मरीजों में स्वाइन फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सकों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

स्नेह के धागों में बंधा भाई–बहन का अटूट रिश्ता

तिलक कर बहनों ने भाइयों की कलाई सजाई

उपहार देकर भाइयों ने निभाया प्रेम का वादा

यूनिक समय, मथुरा। स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को जिलेभर में उल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही गांव, कस्बों और शहरों में पर्व की रौनक दिखाई दी। घर–घर बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनके सुखी-दीर्घायु जीवन की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर उनकी रक्षा और हर सुख–दुख में साथ खड़े रहने का संकल्प दोहराया।

सावन पूर्णिमा पर सुबह से ही घरों में पूजा–अर्चना का दौर शुरू हो गया। महिलाओं ने स्नान आदि के बाद विधि–विधान से पूजा कर रक्षाबंधन पर्व की तैयारियां कीं। बहनों ने पूजन की थाली सजाई, जिसमें रोली, अक्षत, दीपक, मिठाई और राखियां रखीं। इसके बाद शुभ मुहूर्त में भाइयों को तिलक कर राखी बांधी और मिठाई खिलाई। रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में भी विशेष चहल–पहल रही। रंग–बिरंगी राखियों, मिठाइयों और उपहारों की दुकानों पर लोगों की भीड़ नजर आई। बहनों ने भाइयों की पसंद के अनुसार राखियां खरीदीं, वहीं भाइयों ने भी बहनों के लिए उपहार और अन्य सामग्री की खरीदारी की। पर्व को लेकर बच्चों में भी खासा उत्साह रहा।

शुक्रवार को राखी बंधवाने के बाद पैर छूकर बहन का आशीर्वाद लेता भाई।

बहन संविका गर्ग से राखी बंधवाते आरव गर्ग और मधुर गर्ग।

दूर–दराज रहने वाली बहनों ने भाइयों के घर पहुंचकर राखी बांधी। कई बहनें सुबह जल्दी ही यात्रा कर अपने मायके पहुंचीं। भाई–बहन के मिलन के दौरान घरों में खुशी का माहौल रहा। लंबे समय बाद मिले भाई–बहनों ने एक–दूसरे के साथ समय बिताया और पुरानी यादें ताजा कीं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी रक्षाबंधन की विशेष रौनक रही। गांवों में घर–घर राखी बांधने का सिलसिला चलता रहा। पूरे दिन स्नेह और आत्मीयता का वातावरण बना रहा। रक्षाबंधन ने एक बार फिर भाई–बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी के अटूट बंधन को मजबूत किया।

बांकेबिहारी को बहनों ने बांधी राखी

यूनिक समय, वृंदावन। रक्षाबंधन के अवसर पर विश्व प्रसिद्ध ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर में भाई–बहन के प्रेम के साथ आस्था का भावुक दृश्य देखने को मिला। देश–विदेश से श्रद्धालु बहनें अपने आराध्य बांकेबिहारी को राखी अर्पित करने पहुंचीं। कई धर्म बहनों ने पहले से राखियां, उपहार और स्नेह पत्र भेजे, जिन्हें सेवायतों ने विधि–विधान से ठाकुरजी की सेवा में अर्पित किया।

राखी अर्पित होने के बाद धर्म बहनों की ओर से भेजे गए स्नेह पत्रों का वाचन भी किया गया। पत्रों में बहनों ने ठाकुरजी से परिवार की सुख–समृद्धि, खुशहाली और मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की। कुछ बहनों ने अपने जीवन की परेशानियों और भावनाओं को भी पत्र के माध्यम से आराध्य के सामने रखा। एक बहन ने सरकारी नौकरी की इच्छा पूरी होने की प्रार्थना करते हुए ठाकुरजी से आस्था बनाए रखने और गलतियों के लिए क्षमा मांगने की गुहार लगाई।

दाऊजी महाराज को राखी बांध भावुक हुईं उमा भारती

बड़े भाई के रूप में पूजन कर मांगी मनौती

मंदिर में काफी देर ध्यानमग्न रहीं पूर्व मुख्यमंत्री

दाऊजी महाराज को राखी भेंट करतीं उमा भारती।

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर्व पर मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती शुक्रवार को बलदेव स्थित श्री दाऊ जी महाराज मंदिर पहुंचीं। उन्होंने श्री दाऊजी महाराज को अपना बड़ा भाई मानते हुए श्रद्धा और भाव के साथ राखी भेंट की। विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर उन्होंने अपने आराध्य का आशीर्वाद लिया और मनौती मांगी।

श्री दाऊजी महाराज के प्रति उमा भारती का वर्षों से विशेष आत्मीय और भावनात्मक जुड़ाव रहा है। वह उन्हें अपना बड़ा भाई मानती हैं। इसी परंपरा के तहत वह प्रत्येक वर्ष रक्षाबंधन और भैयादूज के अवसर पर मंदिर पहुंचकर पूजा–अर्चना करती हैं और बड़े भाई के रूप में उनका आशीर्वाद लेती हैं। इस बार भी उन्होंने मंदिर पहुंचकर इसी परंपरा को निभाया।

पूजा–अर्चना के दौरान उमा भारती काफी देर तक मंदिर परिसर में बैठीं और ध्यान में लीन रहीं। इस दौरान उनके चेहरे पर गहरी श्रद्धा और भावुकता दिखाई दी। उन्होंने दाऊजी महाराज के चरणों में अपनी मनौती अर्पित कर सुख–समृद्धि की कामना की। उनके भावुक क्षणों से मंदिर परिसर का वातावरण भी भक्तिमय हो गया। इस दौरान मंदिर से जुड़े बैकुंठ नाथ पांडेय ने उमा भारती को श्री दाऊ जी महाराज की धार्मिक महत्ता और मंदिर से जुड़ी विशेष जानकारी दी। मंदिर में मुरारी लाल पांडेय, गोपाल पांडेय, योगेश पांडेय, विष्णु पांडेय महंत, मनोज पांडेय, जीतू पांडेय, ब्रजवासी पांडेय, जतिन पांडेय, मनी पांडेय, माधव और हेमंत पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सरहद पर बेटियों ने जवानों को बांधी राखी

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर वृंदावन की बेटियों ने जम्मू–कश्मीर के अखनूर सीमा क्षेत्र में तैनात जवानों के साथ पर्व मनाया। समविद् गुरुकुलम गर्ल्स सैनिक विद्यालय की छात्राएं शिक्षिकाओं के साथ राष्ट्र सुरक्षा सूत्र समर्पण यात्रा के तहत वहां पहुंचीं। छात्राओं ने जवानों के माथे पर रोली–अक्षत का तिलक लगाकर उनकी कलाई पर राखी बांधी। इसके बाद मथुरा के प्रसिद्ध पेड़े खिलाकर और पटका पहनाकर सैनिकों का सम्मान किया। छात्राओं ने जवानों को कृतज्ञता पत्र भी सौंपे। राखी बंधवाते समय कई सैनिक भावुक हो गए और उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। विद्यालय की निदेशक सुमन लता ने कहा कि जवानों के त्याग और समर्पण के प्रति सम्मान जताना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

आपके शहर की हर हलचल,
आपके गली–मोहल्ले की हर खबर
अब आपके फोन पर सिर्फ एक क्लिक में
यूनिक समय
हर खबर समय पर...
अब खबरें आएँगी सीधे आपके फोन पर!
सिर्फ हमारे WhatsApp News Channel पर!
अभी QR कोड स्कैन करें और हर खबर से जुड़े रहें
@UniqueSamayNews
Follow channel
9193343351
289-290 Unique building Near Krishna Nagar Chowk Mathura (UP) - 281004

वायरल का प्रकोप बढ़ते ही झोलाछाप डॉक्टर काटने लगे चांदी

बिना जांच के दवाएं और इंजेक्शन देने का खेल, फीस से लेकर दवाओं और जांच तक में वसूला जा रहा कमीशन

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव का असर अब लोगों की सेहत पर दिखाई देने लगा है। जिले में वायरल बुखार, सर्दी–जुकाम, खांसी और बदन दर्द के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोग वायरल की चपेट में हैं। सरकारी और निजी अस्पतालों की ओपीडी में भी मरीजों की भीड़ बढ़ने लगी है। वहीं, वायरल का प्रकोप बढ़ते ही जिले में झोलाछाप डॉक्टरों की भी मौज हो गई है।

बिना पर्याप्त चिकित्सकीय योग्यता के इलाज करने वाले लोग गांव–कस्बों में मरीजों का उपचार कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह झोलाछाप डॉक्टर मरीजों को बिना किसी जांच के ही दवाएं लिख रहे हैं। कुछ लोग मरीजों से फीस नहीं लेते, बल्कि दवाओं पर मिलने वाले कमीशन से कमाई करते हैं। वहीं कुछ झोलाछाप डॉक्टर मरीजों से तीस रुपये से लेकर सौ रुपये तक प्रतिदिन फीस वसूल रहे हैं। इसके बाद दवाएं भी अपने ही मेडिकल स्टोर से देते है।

मामूली वायरल में भी इंजेक्शन लगाए जा रहे है। कई जगह बिना जरूरी जांच के ही इंजेक्शन और कई तरह की दवाएं दे रहे है। मरीजों से जांच कराने के नाम पर भी रकम ली जा रही है। कुछ झोलाछाप डॉक्टर फीस, दवाओं और जांच तक में कमीशन का खेल कर रहे हैं।

मौसम में बदलाव के कारण बच्चों, बुजुर्गों और पहले से कमजोर लोगों पर वायरल का असर अधिक दिखाई दे रहा है।

कई परिवारों में एक व्यक्ति के बीमार होने के बाद दूसरे सदस्य भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में लोग पहले नजदीकी झोलाछाप डॉक्टर के पास पहुंच रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ.गोपाल बाबू गर्ग का कहना है कि झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ छापेमार कार्रवाई की जा रहीं है,फर्जी और झोलाछाप डॉक्टरों को बक्शा नहीं जाएगा।

जन्माष्टमी पर प्रेम मंदिर के बाहर भीड़ नियंत्रण की तैयारी

प्रेम मंदिर पर जन्माष्टमी को लेकर की जा रही तैयारियां।

जन्माष्टमी पर श्रद्धालुओं की भीड़ को लेकर तैयारियां तेज

श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से नियंत्रण व्यवस्था होगी सख्त

यूनिक समय, वृंदावन। जन्माष्टमी पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रेम मंदिर के बाहर भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। पर्व पर देशभर से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यवस्थाओं को पहले से दुरुस्त किया जा रहा है।

जन्माष्टमी पर प्रेम मंदिर श्रद्धालुओं के प्रमुख आकर्षण केंद्रों में शामिल रहता है। पर्व के दौरान मंदिर के आसपास अचानक भीड़ बढ़ने से अव्यवस्था और जाम की स्थिति बनने की आशंका रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं के आवागमन को निर्धारित व्यवस्था के तहत संचालित करने की तैयारी की जा रही है। भीड़ बढ़ने पर श्रद्धालुओं को एक साथ मंदिर की ओर जाने देने के बजाय चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। जरूरत पड़ने पर तय स्थानों पर कुछ समय के लिए श्रद्धालुओं को रोककर धीरे–धीरे प्रवेश क्षेत्र की ओर भेजा जाएगा। इससे मंदिर के सामने अचानक अत्यधिक भीड़ जमा होने से बचाया जा सकेगा।

मंदिर के आसपास यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रखने पर जोर रहेगा। वाहनों और पैदल श्रद्धालुओं के आवागमन को अलग–अलग व्यवस्थित करने की योजना बनाई जा रही है। भीड़ बढ़ने की स्थिति में अतिरिक्त व्यवस्थाएं लागू की जाएंगी।

शादी के नाम पर ठगी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। सुरीर थाना पुलिस ने शादी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों और एक कथित लुटेरी दुल्हन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों को 28 अगस्त को दोपहर 1:05 बजे खायरा चौकी क्षेत्र स्थित खंडहर खायरा कोठी के पास पेड़ के नीचे से पकड़ा।

पुलिस के अनुसार नगला जयसिंह निवासी चंद्रभान से उसके रिश्तेदार सुंदर ने शादी कराने के नाम पर एक लाख 15 हजार रुपये लिए थे। इसके बाद अलीगढ़ के पनैढ़ी स्थित देवी मंदिर में उसकी शादी युवती से कराई गई। शादी के दौरान 99 हजार रुपये ऑनलाइन और 16 हजार रुपये नकद लिए गए। शादी के बाद युवती चंद्रभान के गांव पहुंची, जहां से वह सुंदर और इरफान के साथ फरार हो गई। शिकायत पर सुरीर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में सुंदर निवासी अगरयाला और इरफान निवासी डींग गेट, मथुरा शामिल हैं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की है।

चेकिंग के दौरान चाकू समेत पकड़ा युवक

यूनिक समय, वृंदावन। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। उपनिरीक्षक शुभांशु यादव हमराह कांस्टेबल सौरभ वर्मा के साथ चौकी रमणरेती क्षेत्र में शांति व्यवस्था और वाहनों की चेकिंग के लिए गश्त पर थे। पुलिस टीम रसियन बिल्डिंग चौराहे से सूरज की तरफ जा रही थी। इसी दौरान सूरज तिराहा पार्किंग बैरियर के पास सड़क किनारे खड़ा एक युवक पुलिस टीम को देखकर अचानक जाने लगा। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पकड़े गए मौहम्मद से अवैध चाकू बरामद हुआ।

टेंपों की टक्कर से दो बाइक सवार घायल

स्थानीय लोगों ने हॉस्पिटल में कराया भर्ती

यूनिक समय, मथुरा। शेरगढ़–नौहझील मार्ग पर पुल के समीप बाइक पर जाते दो युवकों को टेपो ने टक्कर मारकर गंभीर घायल कर दिया। दुर्घटना के बाद चालक मौके से भाग गया। स्थानीय लोगों ने घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया। बताया गया कि शेरगढ़–नौहझील मार्ग पर पुल के समीप एक तेज रफ्तार टेंपो ने बाइक पर जाते दो युवक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों युवक गंभीर घायल हो कर सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना को करने के बाद चालक टेंपो को मौके से लेकर भाग गया। घायलों को सड़क पर पड़ा देख स्थानीय लोगों ने उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि दोनों घायल युवक सुरीर के रहने वाले हैं। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इंटरनेट मीडिया के जरिए ब्रज की स्वच्छता और विरासत का संदेश देंगे इंफ्लुएंसर्स

नगर आयुक्त ने 50 से अधिक इंटरनेट मीडिया इंफ्लुएंसर्स के साथ की बैठक

इंफ्लुएंसर्स के साथ बैठक करते हुए नगर आयुक्त ओजस्वी राज, पास बैठे हैं निगम के अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की स्वच्छता, पर्यावरण और संस्कृति को लेकर नगर निगम ने इंटरनेट मीडिया इंफ्लुएंसर्स को अभियान से जोड़ने की पहल की है। शक्रवार को नगर निगम सभागार में नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने 50 से अधिक इंटरनेट मीडिया इंफ्लुएंसर्स के साथ बैठक की। उन्होंने सभी से ब्रज वैभव अभियान में सहयोग करने की अपील की।

नगर आयुक्त ने कहा कि इंटरनेट मीडिया के जरिए किसी भी संदेश को कम समय में बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। इंफ्लुएंसर्स स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और ब्रज की संस्कृति और विरासत को बचाने के लिए लोगों को जागरूक कर सकते हैं। उन्होंने अभियान से जुड़ी गतिविधियों को मंटरनेट मीडिया पर साझा करने को कहा। बैठक में हार्टफुलनेस फाउंडेशन के कोऑर्डिनेटर निशांत शर्मा ने अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि हर रविवार अलग–अलग शहरों से वॉलंटियर्स ब्रज क्षेत्र में पहुंचकर स्वच्छता अभियान में भाग लेते हैं। फाउंडेशन की ओर से ब्रज के 12 कुंडों के सौंदर्यीकरण और वॉटर ट्रीटमेंट का काम किया जाएगा। गोवर्धन पर्वत पर रेन गन लगाने की योजना भी है। प्रोजेक्ट मथुरा के विपुल अग्रवाल ने जन्माष्टमी को देखते हुए भंडारों को व्यवस्थित और स्वच्छ रखने के लिए एसओपी बनाने का सुझाव दिया। नगर आयुक्त ने बताया कि शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जल्द सिंगल विंडो सिस्टम शुरू किया जाएगा। इसमें लोग गंदगी की फोटो भेजकर शिकायत दर्ज करा सकेंगे। शिकायत मिलने के बाद संबंधित टीम को भेजकर दो घंटे के अंदर सफाई कराने का प्रयास किया जाएगा।

जन्माष्टमी पर शहर में लागू होगी कड़ी यातायात व्यवस्था

श्रीकृष्ण जन्मस्थान समेत शहर को तीन जोन में बांटेंगे

बाहर से आने वाले वाहनों को शहर से बाहर रोकेंगे

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए देश–विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के मथुरा पहुंचने की संभावना है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते शहर में जाम की स्थिति न बने, इसके लिए यातायात पुलिस ने व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान समेत पूरे शहर को तीन जोन और 17 सेक्टरों में बांटकर 250 से अधिक यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

एसपी यातायात राजेश कुमार ने बताया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वाहनों को शहर के बाहरी क्षेत्रों में बनाई गई 25 पार्किंग में खड़ा कराया जाएगा। यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए शहर और बाहरी मार्गों पर करीब 100 बैरियर लगाए जाएंगे। इन स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। जन्माष्टमी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु निजी वाहनों, बसों और ट्रेनों से पहुंचते हैं। ऐसे में सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ जाता है। इसे देखते हुए यातायात पुलिस को पहले से ही सक्रिय किया जा रहा है।

भारी वाहनों के प्रवेश पर रहेगी पूरी पाबंदी

लक्ष्मीनगर से मथुरा की ओर आने वाले भारी और व्यावसायिक वाहनों को प्रतिबंधित रखा जाएगा। ये वाहन गोकुल बैराज मोड़ से अपने गंतव्य की ओर जाएंगे। मसानी चौराहे से डीग गेट की ओर भी भारी वाहनों का प्रवेश नहीं होगा। इन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग–19 से भेजा जाएगा। गोवर्धन चौराहे और मंडी चौराहे से भूतेश्वर तिराहा और शहर की ओर भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।

बसों के मार्ग में भी किया गया बदलाव

जन्माष्टमी पर रोडवेज बसों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। ये बसें राष्ट्रीय राजमार्ग–19 से संचालित होंगी। हाइवे कट और पुराने एआरटीओ कट से भारी वाहनों को धौली प्याऊ की ओर नहीं आने दिया जाएगा। रोडवेज की बड़ी बसें गोवर्धन चौराहे से भूतेश्वर और नए बस अड्डे से भूतेश्वर की ओर नहीं जाएंगी। इनका संचालन मालगोदाम मार्ग से होगा। आवश्यकतानुसार ऑटो और ई-रिक्शा का आवागमन भी प्रतिबंधित किया जा सकता है।

कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार गंभीर घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोतवाली क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल सवार को काले रंग की अज्ञात कार द्वारा टक्कर मारने का मामला सामने आया है। हादसे में मोटरसाइकिल सवार गंभीर घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना 26 अगस्त दोपहर करीब दो बजे न्यूरो सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के सामने सर्विस रोड पर हुई। नीरज राघव बसंत बिहार, लाजपत नगर महोली, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पिता मोटरसाइकिल से जा रहे थे। इसी दौरान काले रंग की कार ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक फरार हो गया। पिता को मिलिट्री हॉस्पिटल में भर्ती कराया। नीरज ने पुलिस को बताया कि घटना स्थल के ठीक सामने सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है, जिस पर मथुरा पुलिस लिखा है।

उन्होंने पुलिस से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन और चालक की पहचान कर जल्द कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात वाहन चालक की पहचान करने में जुटी है।

वृंदावन में पांच कारों के शीशे तोड़कर चोरी

यूनिक समय, मथुरा। थाना वृंदावन क्षेत्र में बीती रात अज्ञात बदमाशों ने एक के बाद एक कई कारों को निशाना बनाते हुए उनके शीशे तोड़कर सामान चोरी कर लिया। ओमेक्स सिटी निवासी अभिषेक प्रधान की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अभिषेक प्रधान की कार घर के बाहर सड़क पर खड़ी थी। रात के समय अज्ञात बदमाशों ने कार के ड्राइवर सीट की तरफ का शीशा तोड़कर उसमें रखे 850 रुपये नकद चोरी कर लिए। इसके अलावा बदमाशों ने एक अन्य कार का शीशा तोड़कर म्यूजिक सिस्टम आदि सामान चोरी कर लिया। वहीं, एक और कार के ड्राइवर साइड के पीछे का शीशा तोड़कर उसमें लगा म्यूजिक सिस्टम आदि भी चोरी किए जाने की बात कही गई। वहीं, महेश शर्मा की कार का दाहिनी तरफ पीछे का शीशा तोड़कर चोरी का प्रयास किया गया। इसके साथ ही एक और कार का दरवाजा खोलकर म्यूजिक सिस्टम, सामान और घड़ी आदि चोरी किए जाने की शिकायत की गई है। घटना की जानकारी सुबह करीब छह बजे हुई। इसके बाद ओमेक्स के मैनेजर अरविंद यादव को फोन के माध्यम से सूचना दी गई। सुरक्षा व्यवस्था में तैनात गार्ड और सुपरवाइजर को भी घटना की जानकारी दी गई।

टेंपो की टक्कर से बाइक सवार की मौत

टेंपो लेकर भाग गया चालक

यूनिक समय,मथुरा। थाना गोविंद नगर क्षेत्र स्थित जयसिंहपुरा इलाके में एक तेज रफ्तार टेंपो ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक टेंपो को लेकर भाग गया। घायल युवक ने अस्पताल ले जाते रास्ते में दम तोड़ दिया। पूरा हादसा सीसी कैमरे में दर्ज हो गया है। बताया गया कि वृंदावन निवासी विशाल रात को बाइक से वृंदावन के लिए जा रहा था। रात करीब दस बजे विशाल जैसे ही जयसिंहपुरा के समीप पहुंचा। इसी दौरान वृंदावन की ओर से तेज गति से आते टेंपो ने उसकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। दुर्घटना में विशाल गंभीर रुप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद चालक टेंपो को वहां से भगा ले गया। घायल विशाल को सड़क पर पड़े देख कर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने रास्ते में दो तोड़ दिया। चिकित्सकों ने परीक्षण करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दो महिलाएं गिरफ्तार

यूनिक समय,मथुरा। सर्राफा बाजार में नकली जेवर के माध्यम से ठगी करने वाली दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। पुलिस के अनुसार, दोनों महिलाएं नकली जेवरात को कस्बा सौंख के एक सर्राफ की दुकान पर बिक्री करने के लिए लेकर आई थी। दुकानदार ने जेवरातों को चेक करने की बात कही तो वह जेवरात लेकर वहां से भागने लगी। स्थानीय लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। दुकानदार द्वारा दी गई तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने महिलाओं को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

पासवर्ड का दुरुपयोग कर आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप, मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। इंटरनेट मीडिया अकाउंट के पासवर्ड का कथित रूप से दुरुपयोग कर आपत्तिजनक पोस्ट किए जाने के मामले में कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वीरेंद्र सिंह सिसोदिया ने तहरीर में आरोप लगाया गया है कि उनके फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित अन्य इंटरनेट मीडिया अकाउंट के आईडी और पासवर्ड अंकुर कुलश्रेष्ठ के पास उपलब्ध थे। आरोप है कि अंकुर कुलश्रेष्ठ के पास कार्य करने वाला युवक अभय गोयल निवासी गोविंद नगर ने इंस्टाग्राम अकाउंट की आईडी और पासवर्ड का कथित रूप से अनुचित और गलत तरीके से इस्तेमाल करते हुए आपत्तिजनक पोस्ट प्रकाशित की। इस पोस्ट के कारण उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा और छवि को नुकसान पहुंचा। शिकायतकर्ता ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच कर इंस्टाग्राम अकाउंट और संबंधित डिजिटल साक्ष्यों की जांच कराने और दोषी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

कार्यालय के नीचे खड़ी मोटरसाइकिल चोरी

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में कार्यालय के नीचे खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बांके बिहारी निवासी ग्राम सगरपुर सतोहा, थाना हाईवे ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी मोटरसाइकिल स्प्लेंडर से नौ को मित्र अशोक के कार्यालय, जो त्रिवेणी फैक्ट्री के सामने, अमर कॉलोनी, गोवर्धन रोड पर है, पर बस का हिसाब करने के लिए गया था। रात करीब 8:30 बजे उसने अपनी मोटरसाइकिल कार्यालय के नीचे खड़ी कर दी और हिसाब करने के लिए ऊपर चला गया। करीब 9 बजे जब वह हिसाब करके नीचे आया तो मोटरसाइकिल अपने स्थान पर नहीं मिली।

आमने– सामने भिड़ी राजस्थान रोडवेज और ईको

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन के महमदपुर बाईपास पर शुक्रवार प्रातः राजस्थान रोडवेज बस और ईको कार में जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना से लोगों में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। इस भिड़ंत में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना को देख कर बाइपस पर हड़कंप मच गया। दोनों वाहनों के टकराने के कारण मार्ग में कुछ समय के लिए जाम लग गया। पुलिस को भी इस बारे में पता लगा मौके पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवा कर मार्ग को सुचारू किया। गनीमत रही की इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

312 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने यमुना एक्सप्रेस वे के राधारानी अंडर पास के समीप से एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 312 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त राहुल निवासी रुकमणी बिहार वृंदावन है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की है।

रक्षाबंधन पर घर जाने के लिए जंक्शन पर ट्रेन का इंतजार करते यात्री।

रक्षाबंधन पर नए बस अड्डे पर खड़ी बस में सवार होती महिलाएं।

रक्षाबंधन पर उमड़ी बहनें, ट्रेनें भी पड़ गईं कम

बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर सुबह से लगी भीड़

बस आते ही सीट के लिए दौड़े नजर आए यात्री

12,470 महिलाओं ने भी किया निशुल्क सफर

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को रक्षाबंधन पर भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए बहनों की भीड़ उमड़ पड़ी। शहर में बस अड्डों से लेकर रेलवे स्टेशनों तक यात्रियों की भीड़ ही भीड़ दिखी। सुबह से ही पुराने और नए बस अड्डे, गोवर्धन चौराहा, हाईवे चौराहा और मथुरा जंक्शन पर यात्रियों की भीड़ लगना शुरू हो गया। सुबह से ही यात्रियों की भीड़ इतनी अधिक रही कि रक्षाबंधन पर चलाई गई आठ अतिरिक्त ट्रेनें भी कम पड़ गईं। ट्रेन या बस के आते ही यात्री सीट पाने के लिए दौड़ पड़ते। कई बसें और ट्रेनें यात्रियों से पूरी तरह भरकर रवाना हुईं।

रक्षाबंधन पर बहनों को घर पहुंचाने के लिए रेलवे और रोडवेज की ओर से अतिरिक्त व्यवस्था की गई थी। इसके बावजूद यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ती रही। मथुरा जंक्शन और छावनी रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही यात्रियों का आना-जाना लगा रहा। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचते ही उसमें सवार होने के लिए यात्रियों में होड़ मची हुई थी। कई यात्रियों ने खिड़की से सामान अंदर रखकर सीट रोकने का प्रयास किया। भीड़ के कारण बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को ट्रेन में चढ़ने-उतरने में परेशानी हुई। पुराने और नए बस अड्डे पर भी यही स्थिति दिखाई दी। बस के पहुंचते ही यात्री सीट पाने के लिए उसकी ओर दौड़ रहे। कई बसें पहले से ही यात्रियों से भरी पहुंचीं और पूरी तरह भरकर रवाना हुईं। ऐसे में बस के फुल होने के कारण कई यात्रियों को अगली बस का इंतजार करना पड़ा। दोपहर बाद भीड़ में कुछ कमी आई, लेकिन प्रमुख मार्गों पर यात्रियों का दबाव बना रहा।

गोवर्धन चौराहा, राया, फरह, बलदेव और अन्य मार्गों पर जाने वाले यात्रियों ने रोडवेज बसों के अलावा दूसरे यात्री वाहनों का भी सहारा लिया। गोवर्धन चौराहा से आगरा जाने वाले कुछ यात्रियों को अन्य वाहनों में करीब 100 रुपये तक किराया वसूला गया। रक्षाबंधन पर सरकार की घोषणा के बाद महिलाओं को रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा दी गई। महिलाओं ने साधारण के साथ एसी बसों में भी मुफ्त सफर किया। मथुरा डिपो की बसों में 12,470 महिलाओं ने निशुल्क यात्रा की। इन यात्राओं की टिकट राशि 12 लाख 10 हजार 796 रुपये रही।

एआरएम कमल किशोर आर्य ने बताया कि रक्षाबंधन पर यात्रियों की संख्या को देखते हुए रोडवेज बसों के फेरे बढ़ाए गए थे। यात्रियों की जरूरत के अनुसार बसों का संचालन किया गया। महिलाओं को सरकार की घोषणा के अनुसार निशुल्क यात्रा की सुविधा दी गई। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल के जवान तैनात रहे। शहर के प्रमुख मार्गों पर भी दिनभर यातायात का दबाव बना रहा। यात्रियों के आने-जाने से बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों के आसपास काफी चहल-पहल रही।

रक्षाबंधन पर राखी बंधवाने के बाद बहनों के साथ भाई।

त्योहारों पर यात्रियों को राहत, मथुरा होकर चलेंगी कई स्पेशल ट्रेनें

यूनिक समय, मथुरा। आगामी त्योहारों को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए कई स्पेशल ट्रेनों के संचालन की अवधि बढ़ा दी है। इनमें कई ट्रेनें मथुरा होकर गुजरेंगी। संचालन अवधि बढ़ने से यात्रियों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी।

गाड़ी संख्या 09309 इंदौर-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल शुक्रवार और रविवार को चलेगी। पहले इसका संचालन 30 अगस्त तक था, जिसे अब चार सितंबर से 27 नवंबर तक बढ़ा दिया गया है। इसके 25 फेरे होंगे। वापसी में गाड़ी संख्या 09310 हजरत निजामुद्दीन-इंदौर स्पेशल शनिवार और सोमवार को चलेगी। इसका संचालन पांच सितंबर से 28 नवंबर तक बढ़ाया गया है। इसके भी 25 फेरे होंगे। गाड़ी संख्या 09195 वडोदरा-मऊ स्पेशल शनिवार को चलेगी। इसका संचालन अब तीन अक्टूबर से 28 नवंबर तक होगा और कुल नौ फेरे लगाएगी। वापसी में गाड़ी संख्या 09196 मऊ-वडोदरा स्पेशल रविवार को चार अक्टूबर से 29 नवंबर तक चलेगी। इसके नौ फेरे होंगे।

गाड़ी संख्या 09119 प्रतापनगर-लालकुआं स्पेशल रविवार को चार अक्टूबर से 29 नवंबर तक चलेगी। इसके नौ फेरे होंगे। वापसी में लालकुआं-प्रतापनगर स्पेशल सोमवार को पांच अक्टूबर से 30 नवंबर तक चलेगी और इसके नौ फेरे होंगे। गाड़ी संख्या 09065 सूरत-छपरा स्पेशल मंगलवार को 20 अक्टूबर से 17 नवंबर तक चलेगी। इसके पांच फेरे होंगे। वापसी में गाड़ी संख्या 09066 छपरा-सूरत स्पेशल बुधवार को 21 अक्टूबर से 18 नवंबर तक चलेगी। इसके भी पांच फेरे होंगे। इन ट्रेनों के मथुरा होकर गुजरने से स्थानीय यात्रियों को भी लाभ मिलेगा।

वृंदावन में सिटी बस सेवा नहीं मिली, निजी साधनों का सहारा

यूनिक समय, वृंदावन। रक्षाबंधन पर बहनों को भाइयों तक पहुंचने की जल्दी रही, लेकिन वृंदावन में सिटी बस सेवा उपलब्ध नहीं होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बसों के संचालन की उम्मीद में कई यात्री इंतजार करते रहे, लेकिन बस नहीं मिलने पर उन्हें ऑटो और निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ा। रक्षाबंधन पर बड़ी संख्या में बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए वृंदावन और आसपास के क्षेत्रों से जा रहीं थीं। लेकिन सिटी बस सेवा नहीं मिलने के कारण उन्हें गंतव्य तक पहुंचने के लिए ऑटो का सहारा लेना पड़ा। कई यात्रियों को ऑटो मिलने में भी परेशानी हुई। इसके चलते उन्हें अधिक समय लगा और कुछ बहनें भाई के घर पहुंचने में देरी से पहुंचीं।

राखी के दिन ड्यूटी पर डटी रहीं महिला परिचालक, यात्रियों ने की सराहना

बरसाना जा रही रोडवेज बस की महिला परिचालक की सराहना करते यात्री।

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन के त्योहार पर जहां बहनें अपने भाइयों के साथ त्योहार मनाने में व्यस्त रहीं, वहीं मथुरा डिपो की महिला परिचालक लक्ष्मी देवी और अन्य महिलाओं ने ड्यूटी को प्राथमिकता दी। उन्होंने मथुरा से बरसाना चलने वाली रोडवेज बस संख्या यूपी 78 एलटी 2181 में यात्रियों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा कराई। उनकी कार्यशैली की यात्रियों ने जमकर सराहना की।

रक्षाबंधन पर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से महिलाओं को सहवर्ती सहित निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा दी गई। इसी के तहत लक्ष्मी देवी ने बस में यात्रा कर रहीं महिलाओं को योजना की जानकारी दी और उन्हें

मथुरा-बरसाना मार्ग पर लक्ष्मी देवी ने निभाया फर्ज

निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई। उन्होंने यात्रियों को टिकट और यात्रा संबंधी जानकारी भी दी, जिससे सफर के दौरान किसी को परेशानी न हो। बस में यात्रा कर रहे यात्रियों ने महिला परिचालक के व्यवहार और सेवा भावना की सराहना की। यात्रियों का कहना था कि रक्षाबंधन जैसे त्योहार पर हर कोई अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहता है, लेकिन लक्ष्मी देवी ने त्योहार से पहले अपनी ड्यूटी को महत्व दिया। यात्रियों ने कहा कि लक्ष्मी देवी महिला होते हुए भी पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभा रही हैं।

कस्बों और हाइवे पर जाम का झाम, थमता रहा यातायात

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर यातायात का दबाव बढ़ने से कस्बों और हाइवे पर जाम का झाम परेशानी की वजह बना। सुबह नौ बजे से दोपहर तक राखी बांधने को निकली बहनें जाम में फंसती रहीं। वाहनों के पहिये भी थमते दिखे। बल्देव में तो दो किमी. लंबा जाम लग गया, जबकि फरह, छटीकरा, गोवर्धन चौराहा, मंडी चौराहा के अलावा जाम थाना हाइवे पुल से जयगुरुदेव मंदिर पर वाहनों के पहिये थामता रहा।

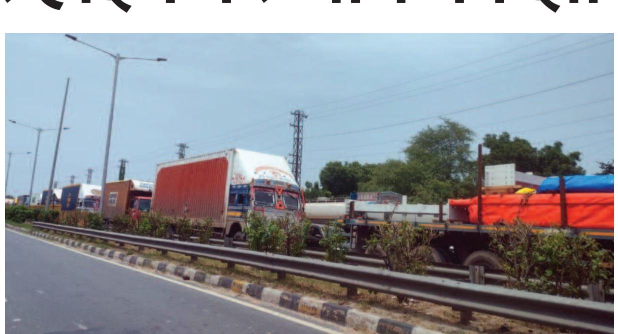
आगरा जाने वाले मार्ग पर थाना हाइवे पुल से जयगुरुदेव मंदिर तक थमा यातायात।

हाइवे थाना अंडरपास पर वाहनों का दबाव बढ़ने से जाम के हालात बनते रहे। भरतपुर पुल से जयगुरुदेव मंदिर पर वाहनों की लाइन लगती रही। कार और मोटरसाइकिलों के भारी संख्या में सड़क पर आने से जाम का झाम बना, जिससे भाई को राखी बांधने निकली बहनें परेशान होती रहीं। मंडी चौराहा, टाउनशिप के

बल्देव में दो किमी लंबा जाम, नरहौली तक थमे पहिए

हाइवे थाना से जयगुरुदेव तक यातायात रहा प्रभावित

अलावा छटीकरा और फरह कस्बा के चौराहे जाम से प्रभावित होते रहे। पुलिसकर्मी भी सुबह से दोपहर तक जाम को संभालने में जुटे रहे। कारों के ज्यादा संख्या भी जाम की प्रमुख वजह बनीं।

मथुरा के बलदेव में रक्षाबंधन पर्व पर अवैरनी चौराहा से नरहौली चौराहा पर एक बार फिर भीषण जाम की चपेट में आ गया। अवैरनी चौराहे से नरहौली चौराहे तक करीब दो किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ा। गर्मी व उमस के बीच जाम में फंसी महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों की हालत खराब हो गई। बहनों को मायके और भाइयों के घर पहुंचने के लिए जाम में काफी देर तक फंसे रहना पड़ा।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जिला कारागार में निरुद्ध भाई को राखी बांधने के लिए अंदर जाने के लिए लाइन में लगी बहनें।

जिला कारागार में भाई को तिलक करती बहन।

राखी लेकर जेल पहुंचीं बहनें, भाइयों से मिलकर हुईं भावुक

जिला कारागार में भाई को राखी बांधती बहन।

जिला कारागार में भाई को घेवर खिलाती बहन।

जिला कारागर अधीक्षक अंशुमन गर्ग को राखी बांधती बंदी रक्षक।

भाइयों से मिलाई के लिए जेल प्रशासन ने किए पुख्ता इंतजाम

सुरक्षा घेरे में पहुंचीं बहनें, सिविल डिफेंस ने पिलाया शर्बत

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर्व पर जिला कारागार में निरुद्ध भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए बड़ी संख्या में बहनें भोर से ही कारागार पहुंचना शुरू हो गईं। दूर-दराज क्षेत्रों से आई महिलाओं की संख्या बढ़ने के साथ ही जेल के मुख्य द्वार के बाहर लंबी कतार लग गई। कारागार प्रशासन की ओर से मिलाई के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं, जिससे महिलाओं को अधिक परेशानी का सामना न करना पड़े।

सुबह सात बजे के बाद मिलाई के लिए महिलाओं की पर्चियां बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई। पहले दल को करीब आठ बजे मुख्य द्वार की ओर भेजा गया। गेट पर सुरक्षा जांच और तलाशी के बाद महिलाओं को परिसर में प्रवेश दिया गया। जेल प्रशासन की ओर से बनाए गए पंडाल में बंदियों को बुलाया गया, जहां भाई-बहन के प्रेम का भावुक दृश्य देखने को मिला। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, मिठाई खिलाई और उनकी रक्षा और खुशहाली की कामना की। इस दौरान कई भाई-बहनों की आंखों से खुशी और भावुकता के आंसू छलक पड़े।

रक्षाबंधन पर भीड़ को देखते हुए मुख्य सड़क से लेकर जिला कारागार के मुख्य द्वार तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। पुरुष और महिला पुलिसकर्मियों के साथ जेल स्टाफ भी मुस्तैदी से तैनात रहा। महिलाओं को कतार में लगाकर निर्धारित मार्ग से गेट तक भेजा गया। रास्ते में किसी को रुकने नहीं दिया गया। मुख्य द्वार पर तलाशी के बाद ही महिलाओं को मिलाई के लिए अंदर जाने दिया गया। वहीं कारागार के बाहर सड़क पर खाने-पीने की ठेलियों के कारण मेले जैसा माहौल बना रहा। बाहर से आए लोगों ने ठेलियों पर खाने-पीने की वस्तुओं का आनंद लिया।

जिला कारागार में निरुद्ध भाई के राखी बांधने के बाद बहनों के आंसू निकलते रहे। आंसुओं को थामतीं बहनें।

जिला कारागार के बाहर लगी प्याऊ ने बहनों को दी राहत

जिला कारागार के बाहर नागरिक सुरक्षा विभाग की लगाई प्याऊ से पानी लेतीं महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन के पर्व पर जिला कारागार के बाहर नागरिक सुरक्षा विभाग की ओर से मीठे पानी का प्याऊ लगाया गया। जेल में बंद भाइयों को राखी बांधने और परिजनों से मिलने पहुंचीं माताओं-बहनों को उमस भरी गर्मी में इससे बड़ी राहत मिली।

प्याऊ की व्यवस्था उपनियंत्रक कश्मीर सिंह और सहायक उपनियंत्रक नीरज श्रीवास्तव के मार्गदर्शन और जिला कारागार अधीक्षक अंशुमन गर्ग और डिवीजन वार्डन भारत भूषण तिवारी के नेतृत्व में की गई। सुबह से ही कारागार के मुख्य द्वार पर प्याऊ से पानी पीने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। नागरिक सुरक्षा विभाग के स्वयंसेवकों ने कतार में खड़े आगंतुकों को ठंडा-मीठा पानी पिलाया। सेवा कार्य में पोस्ट वार्डन एवं मास्टर प्रशिक्षक अशोक यादव, शैलेश खंडेलवाल, प्रमोद कुमार शर्मा, नरेंद्र कुमार मेहता, शैली अग्रवाल, राम दुलारी कुश, मुकर अग्रवाल, रवि पटेल, मुकेश तिवारी समेत अन्य वार्डन और अग्निशमन कर्मी मौजूद रहे। जेल में भाइयों से मिलने आई बहनों ने इस पहल की सराहना की।

राखी और मिठाइयों की दुकानों पर उमड़ी भीड़

रक्षाबंधन पर की जमकर खरीदारी नहीं मिला घेवर

कपड़े और उपहारों की खरीदारी से दुकानदार खिलखिलाए

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर्व पर शुक्रवार को कस्बों और शहर के बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही प्रमुख बाजारों और दुकानों पर चहल-पहल बढ़ गई। बहनों ने भाइयों की कलाई सजाने के लिए रंग-बिरंगी राखियों की खरीदारी की, वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार देने के लिए कपड़े, मिठाइयां और अन्य सामान खरीदा। घेवर की तो जमकर खरीदारी हुई, जिससे यह खास मिठाई दुकानों से दोपहर से पहले सुलट गई। त्योहार की बढ़ी रौनक से व्यापारियों के चेहरे भी खिल उठे।

राखी की दुकानों पर सुबह से देर शाम तक ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। बच्चों के लिए कार्टून और आकर्षक आकृतियों वाली राखियां पसंद की गईं। युवाओं में फैंसी और नए डिजाइन वाली राखियों का क्रेज दिखाई दिया।

फरह कस्बा के चौराहे पर सजी दुकान से घेवर खरीदते ग्राहक।

महिलाओं ने राखी बांधने के लिए रोली, अक्षत, पूजा सामग्री और मिठाई की भी खरीदारी की। दुकानदारों ने ग्राहकों की पसंद को देखते हुए अलग-अलग डिजाइन और कीमतों की राखियां सजाकर रखी थीं।

रक्षाबंधन पर घेवर की मांग ने मिठाई कारोबार को भी सहारा दिया। मिठाई की दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ लगी रही। सादा, मलाई और विशेष प्रकार के घेवर की खूब बिक्री हुई। इसके अलावा विभिन्न प्रकार की मिठाइयों और उपहार पैक की भी खरीदारी की गई। कई दुकानों पर ग्राहकों की सुविधा के लिए पहले से तैयार उपहार पैक उपलब्ध कराए गए। कपड़ा बाजार में भी त्योहार का असर साफ दिखाई दिया। भाइयों के लिए शर्ट, टी-शर्ट और अन्य परिधान खरीदे गए, जबकि बहनों के लिए साड़ी, सूट और अन्य कपड़ों की बिक्री हुई। उपहार सामग्री और सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही।

व्यापारियों का कहना था कि रक्षाबंधन पर हुई अच्छी खरीदारी से त्योहार के मौसम में कारोबार को गति मिली है। देर शाम तक बाजारों में खरीदारों की आवाजाही जारी रही। बाजारों की सजावट, राखियों की रंगीन चमक और मिठाइयों की खुशबू से पूरा जिला त्योहार के उल्लास में डूबा नजर आया।

घेवर के बढ़ते रहे नखरे

रक्षाबंधन पर सबसे पसंदीदा मिठाई में शामिल घेवर के तो दोपहर से पहले ही नखरे होने शुरू हो गए। दोपहर से पहले शहर की नामी मिठाइयों की दुकान पर घेवर की कहने पर नो के उत्तर सुनाई देने लगे, जबकि कस्बों में यह 300 रुपये किलो में रात तक ग्राहकों को उपलब्ध होता रहा। मलाईदार घेवर जमकर बिका, जबकि फैनी भी खूब खरीदी गई।

बरसात के मौसम में बढ़े सर्पदंश के मामले

दो माह में 90 लोग पहुंचे सरकारी अस्पतालों में, आठ की मौत

यूनिक समय, मथुरा। बरसात के मौसम में सर्पदंश के मामले बढ़ गए हैं। जुलाई और अगस्त माह में अब तक करीब 90 लोग सांप के डसने के बाद उपचार के लिए जिला अस्पताल से लेकर सीएचसी,पीएचसी पर पहुंचे। इनमें से 82 मरीजों को उपचार के बाद बचा लिया गया, जबकि आठ लोगों की मौत हो चुकी है।

जिला अस्पताल में सर्पदंश के मरीजों को जरूरत के अनुसार एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) की डोज दी गई। बारिश का पानी सांपों के बिलों में भर जाने के कारण वे बाहर निकल आते हैं। इसके चलते सांप खेतों, झाड़ियों, कच्चे मकानों और कबाड़ आदि स्थानों पर छिप जाते हैं। ऐसे में इन स्थानों पर काम करने या जाते समय लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. नीरज अग्रवाल ने बताया कि जहरीले सांप के काटने पर झाड़–फूंक या घरेलू उपचार में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। मरीज को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल ले जाना चाहिए। समय पर उपचार मिलने से मरीज की जान बचाई जा सकती है। पिछले दो माह में सर्पदंश से हाईवे स्थित मासूम नगर निवासी 13 वर्षीय किशोर तेलिस, छाता निवासी नौ वर्षीय अभय, राया क्षेत्र के नगला सहसू निवासी 75 वर्षीय प्रेमवती, सुरीर क्षेत्र के मुइद्दीनपुर निवासी 52 वर्षीय किसान नेम सिंह और नगला जगरूपा निवासी दिव्यांग नंदकिशोर के अलावा अन्य की मौत हो चुकी है।

सीएमएस ने कहा कि सांप के काटने पर घबराने के बजाय मरीज को शांत रखें और काटे गए अंग को कम से कम हिलाएं। मरीज को जल्द से जल्द नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचाएं। घाव को काटना, चूसना या उस पर कोई घरेलू पदार्थ लगाना नुकसानदायक हो सकता है। सांप को पकड़ने या मारने में समय बर्बाद न करें। रात में बाहर निकलते समय टॉर्च का प्रयोग करें। जूते पहनने से पहले उन्हें अच्छी तरह जांच लें। घर के आसपास झाड़ियां और कचरा जमा न होने दें।

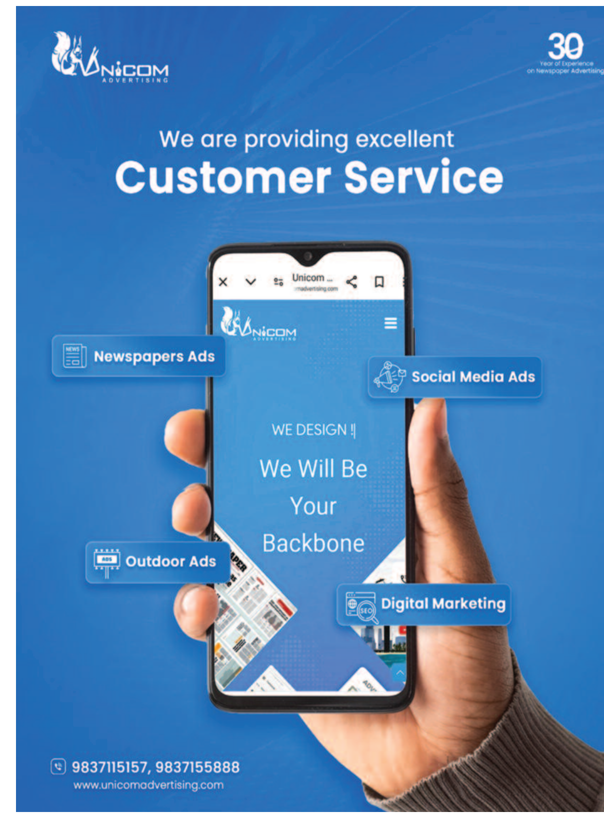

छाता चीनी मिल धरने पर बैठे पूर्व सैनिकों को बहनों ने बांधी राखी

रक्षाबंधन पर धरना स्थल पर दिखा भाई बहन के स्नेह और सम्मान का भावुक दृश्य

छाता मिल पर धरने पर बैठे पूर्व सैनिकों को राखी बांधती ग्रामीण बहन।

यूनिक समय, छाता। छाता चीनी मिल को शुरू कराने की मांग को लेकर धरने पर बैठे पूर्व सैनिकों के बीच रक्षाबंधन पर भावुक और आत्मीय माहौल देखने को मिला। आसपास के गांवों की बहनें धरना स्थल पर पहुंचीं और आंदोलनरत पूर्व सैनिकों की कलाई पर राखी बांधकर उनके स्वस्थ-दीर्घायु जीवन की कामना की। भावना सहित अन्य बहनों ने पूर्व सैनिकों को रक्षासूत्र बांधा। पूर्व सैनिकों ने भी बहनों को आशीर्वाद दिया और उनकी रक्षा का संकल्प दोहराया। इस दौरान धरना स्थल पर भाई–बहन के स्नेह और आपसी सम्मान का भाव देखने को मिला। भावना ने कहा कि पूर्व सैनिकों ने देश की सीमाओं पर रहकर लोगों की सुरक्षा के लिए सेवा की है। वर्तमान में वे छाता चीनी मिल को पुनः शुरू कराने सहित अपनी मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं। ऐसे में क्षेत्र की बहनों का उनके साथ खड़ा होना सम्मान और समर्थन का प्रतीक है। पूर्व सैनिकों ने बहनों के इस स्नेह और समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर मिले इस अपनत्व से उनके आंदोलन को नई ऊर्जा मिली है।

दो लोगों से पांच किलो गांजा बरामद

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने दो अभियुक्त को पांच किलो अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बरसाना रोड पर मड़ौरा मोड़ को समीप से अभियुक्त वीरपाल और विष्णु निवासी रहेड़ा थाना बरसाना को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच किलो अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

जिला अस्पताल में डॉक्टर ने मरीजों का हाल जाना

डॉ.सिद्धार्थ धनगर वार्डों में मरीजों को देखते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को जिला अस्पताल में डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने वार्डों में जाकर भर्ती मरीजों का हालचाल जाना। उन्होंने मरीजों से उनकी परेशानी के बारे में पूछा और उनकी जांच की। मरीजों को समय पर दवा लेने और डॉक्टर की सलाह मानने के लिए कहा। डॉ. धनगर ने मरीजों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को बीमारी के दौरान खान–पान का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मरीजों को पौष्टिक और हल्का भोजन लेना चाहिए। पर्याप्त पानी पीने और साफ–सफाई का भी ध्यान रखना जरूरी है। वार्डों में मरीजों और उनके तीमारदारों को बीमारी से बचाव के तरीके भी बताए गए। उन्होंने कहा कि आसपास साफ–सफाई रखने और हाथों को साफ रखने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। किसी तरह की परेशानी होने पर तुरंत डॉक्टर या अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मी को जानकारी देने की सलाह दी।

लाल मखमल के हिंडोले में विराजे राजाधिराज, दर्शन कर भक्त हो गए निहाल

लाल मखमल के हिंडोले में विराजे राजाधिराज।

यूनिक समय,मथुरा। सावन माह में रक्षाबंधन पर मंदिर ठाकुर द्वारिकाधीश में राजाधिराज ने अलग–अलग घटाओं व हिंडोला में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। हर रोज मंदिर प्रांगण सजाया जाता है। मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी वागीश कुमार के द्वारा किया जाता है। उसी परंपरा के तहत शुक्रवार को राजाधिराज लाल मखमल के हिंडोले में विराजमान हुए। उन्होंने बताया कि शनिवार को सांय 5:10 बजे से 5:40 बजे तक ठाकुर जी फूलों के हिंडोले में दर्शन देंगे।

मेघपुर में लंबी कूद में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

पांचवीं वार्षिक प्रतियोगिता में ग्रामीण प्रतिभाओं ने लिया हिस्सा

लंबी कूद में विजयी खिलाड़ी को पुरस्कृत करते आयोजक आदि।

यूनिक समय, फरह। ग्राम मेघपुर में शुक्रवार को पांचवीं वार्षिक लंबी कूद प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह और जोश के साथ किया गया। प्रतियोगिता श्रीमती चरण देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज परिसर में हुई। इसमें क्षेत्र और जिले के विभिन्न गांवों से पहुंचे खिलाड़ियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने फुर्ती, संतुलन और शारीरिक क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया।

खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखने और उनका उत्साह बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे। मुकाबले के बाद विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 5100 रुपये, द्वितीय स्थान पाने वाले खिलाड़ी को 3100 रुपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 2100 रुपये का पुरस्कार दिया गया। आयोजक मां शीतला डेयरी करनपुर के चेयरमैन राकेश सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में छिपी खेल प्रतिभाओं को आगे लाना और युवाओं में खेल भावना विकसित करना है। ऐसे आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बेहतर अवसर देते हैं।

इस अवसर पर झम्मनलाल, राधेश्याम तरकर, सतीश, भूपेंद्र, रमाकांत, रामवीर सिंह, रामजीत सिंह, योगेंद्र, अंतराम, रमेश प्रधान, सुग्रीव नेता, मुन्नालाल और मंगल सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

धर्म रक्षा संघ का सदस्यता अभियान शुरु

सदस्यता अभियान का शुभारंभ करतीं साध्वी ऋतंभरा, साथ में संघ के अध्यक्ष सौरभ गौड़।

यूनिक समय, वृंदावन। धर्म रक्षा संघ के सदस्यता अभियान का शुभारंभ बुधवार को वात्सल्य ग्राम में स्वामी परमानंद के सान्निध्य में साध्वी ऋतंभरा ने किया। उन्होंने धर्म, संस्कृति और सनातन मूल्यों के संरक्षण के लिए समाज के जागरूक लोगों से संगठन से जुड़ने का आह्वान किया।

धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा कि सदस्यता अभियान के माध्यम से देशभर में धर्म और संस्कृति के प्रति समर्पित लोगों को एक मंच पर जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर धर्म रक्षा संघ के कार्यकारी अध्यक्ष महंत मोहिनी बिहारी शरण, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीदास प्रजापति, राष्ट्रीय संयोजक आचार्य बद्रीश, महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव जू, आचार्य ज्ञानेश,महामंडलेश्वर स्वामी वेदानंद, साध्वी वर्षा हरि कौशल, महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद, स्वामी अतुल कृष्ण दास, महंत देवआनंद और स्वामी मुकुन्दानंद आदि उपस्थित थे।

पढ़िए वो
जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

सुविचार

विश्वास रखो, समय बदलता जरूर है और मेहनत का फल एक दिन अवश्य मिलता।

— बच्चन

कल का पंचांग

तिथि	प्रतिपदा	09:48-09:57 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पू.भाद्रपद	03:13-03:42 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:56 AM	चन्द्रोदय	06:51 PM
सूर्यास्त		6:44 PM	चंद्रास्त	05:51 AM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:46 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:19-05:07
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		10:44 AM: 12:20 PM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

सुबह उठते ही शीशा देखना

यह आदत आपके पूरे दिन को बर्बाद कर सकती है

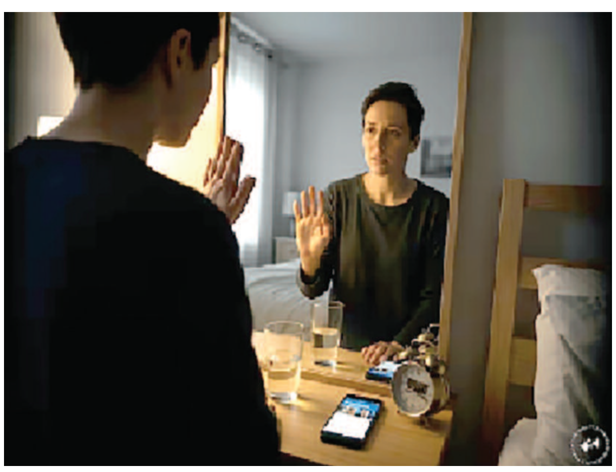

यूनिक समय, मथुरा। सुबह का समय केवल नींद से जागने का नहीं, बल्कि शरीर और मन को नए दिन के लिए तैयार करने का समय होता है। लेकिन कई लोगों की यह सामान्य आदत होती है कि वे उठते ही सबसे पहले शीशे में खुद को देखते हैं। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र के अनुसार यह आदत सिर्फ नजरों का काम नहीं करती, बल्कि आपके मानसिक और ऊर्जा स्तर पर भी असर डाल सकती है। भोपाल निवासी ज्योतिष और वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा के अनुसार, शीशा शुक्र ग्रह से जुड़ा होता है, जो लालसा, सौंदर्य और भ्रम से संबंध रखता है। यानी शीशा आपको वही दिखाता है, जो आप देखना चाहती हैं, न कि वास्तविक स्थिति। सुबह उठते ही इसका सामना करने से दिन की शुरुआत ही भ्रमित मानसिकता और नकारात्मक ऊर्जा के साथ हो सकती है।

नींद से जागते ही शीशा देखने से आपकी वास्तविक स्थिति का सही आकलन मुश्किल हो जाता है। यह भ्रम पूरे दिन आपके फैसलों और सोच को प्रभावित कर सकता है। नींद के दौरान शरीर एक तरह की सफाई प्रक्रिया से गुजरता है। सुबह शीशा देखने पर यह नकारात्मक ऊर्जा वापस मन में लौट सकती है, जिससे मूड और व्यवहार पर असर पड़ता है। शीशा वास्तविकता से अलग छवि दिखाता है। दिन की शुरुआत इसी छवि के साथ होने पर आप जमीन से जुड़ी वास्तविकताओं को नजरअंदाज कर सकती हैं। भ्रमित मन सही और गलत का अंतर समझने में असमर्थ होता है। इसका असर आपकी निर्णय क्षमता पर पड़ता है। सकारात्मक शुरुआत न होने पर पूरे दिन की ऊर्जा प्रभावित होती है, जिससे मेहनत के बावजूद मनचाहा परिणाम नहीं मिल पाता।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

यदि आप चाहते हैं कि आपका दिन सकारात्मक और ऊर्जा से भरा रहे, तो सुबह उठते ही शीशा देखने की बजाय कुछ अन्य उपाय करें। गहरी सांस लें और शरीर को धीरे–धीरे जगाएँ, खिड़की खोलकर ताजी हवा लें, हल्के शब्दों में प्रार्थना या ध्यान करें, थोड़ा पानी पिएं और चेहरे पर ठंडा पानी छिड़कें। छोटी–छोटी आदतें हमारे जीवन पर बड़ा असर डालती हैं। सुबह की शुरुआत सकारात्मक तरीके से करें, ताकि आपका दिन ऊर्जा, स्पष्ट सोच और सफलता से भरा रहे।

तेरहवीं का भोज

शास्त्र सम्मत श्रद्धा या दिखावे का जाल?

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू परंपरा में किसी भी व्यक्ति की मृत्यु को जीवन का अंत नहीं बल्कि नए जीवन की शुरुआत माना जाता है। मृत्यु के बाद दाह संस्कार के 13वें दिन तेरहवीं का आयोजन किया जाता है, जिसे मृत्यु भोज भी कहते हैं। इस दिन परिवार और ब्राह्मणों को भोजन कराना शोक संतप्त परिवार के लिए सांत्वना और समुदाय को जोड़ने का एक माध्यम माना गया है।

परंपरागत रूप से तेरहवीं में केवल विद्वान ब्राह्मण, सगे संबंधी और जरूरतमंद लोग आमंत्रित किए जाते हैं। शास्त्रों में इस भोजन का उद्देश्य दिखावे या भौतिक खर्च नहीं बल्कि मृतक की आत्मा की शांति और गरीबों की मदद करना बताया गया है। गरुड़ पुराण में उल्लेख है कि आत्मा 13 दिनों तक घर के आस–पास रहती है, और इस दौरान साधारण भोजन कराना मृतक के लिए लाभकारी होता है। अमीर लोगों द्वारा इस भोजन का आनंद लेना पाप के समान माना गया है।

महाभारत में श्रीकृष्ण ने भी कहा है कि भोजन देने वाला और लेने वाला दोनों को मन की शांति के साथ भोजन करना चाहिए। दुख और शोक में भोजन करना या इसे दिखावे के लिए बांटना आध्यात्मिक रूप से सही नहीं माना जाता। इसी तरह, मनुस्मृति में भी कहा गया है कि श्राद्ध और पिंडदान के समय केवल कुछ गिने–चुने विद्वान ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए और घर के लोग शांतिपूर्वक इस अवसर को निभाएं।

पुराने समय में पिंडदान भोजन का उद्देश्य दुखी परिवार को मानसिक सहारा देना और समुदाय के बीच एकजुटता बनाए रखना था। लोग अनाज और भोजन लेकर मदद करते और मृतक की आत्मा के लिए पुण्य कमाते। लेकिन आज यह परंपरा बड़े पैमाने पर महंगे भोज और सामाजिक दिखावे का साधन बन गई है।

कई परिवार कर्ज तक लेकर इसे आयोजित करते हैं, जो शास्त्रों के अनुसार अनुचित है।

संक्षेप में, तेरहवीं का भोजन तब ही सही है जब यह साधारण, श्रद्धापूर्ण और जरूरतमंदों के लिए किया जाए। दिखावा या भारी खर्च इसे शास्त्र के खिलाफ बना देता है। इसका मूल उद्देश्य मृतक की आत्मा की शांति और परिवार को सांत्वना देना ही होना चाहिए।

चांदी की अंगूठी: पुरुषों के लिए स्वास्थ्य और सकारात्मक ऊर्जा का स्त्रोत

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय संस्कृति में धातुओं का विशेष महत्व माना जाता है। सोना तेज, ऊर्जा और सूर्य से जुड़ा होता है, वहीं चांदी को चंद्रमा और शुक्र ग्रह का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और आयुर्वेद के अनुसार पुरुषों के लिए चांदी पहनना न केवल परंपरा का हिस्सा है, बल्कि यह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

पलामू जिले के ज्योतिषी आचार्य संकेत श्रवण बताते हैं कि दाहिने हाथ में चांदी की अंगूठी या कड़ा पहनने से

मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। चांदी पहनने से ग्रहों का संतुलन बना रहता है और यह चंद्रमा तथा शुक्र ग्रह को मजबूत करती है, जिससे जीवन में सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य में सुधार होता है।

विशेष रूप से कर्क, वृषभ, वृश्चिक, तुला और मीन राशि के पुरुषों के लिए चांदी पहनना अत्यंत लाभकारी माना जाता है क्योंकि ये राशियां जल तत्व से संबंधित होती हैं। वहीं मेष, सिंह और धनु राशि के जातकों को चांदी पहनने से पहले किसी ज्योतिषी की सलाह लेना चाहिए, क्योंकि इनके लिए यह हानिकारक हो सकती है। आयुर्वेद के अनुसार चांदी वात, कफ और पित्त को संतुलित करने में मदद करती है। नियमित रूप से पहनने से सर्दी–जुकाम और त्वचा संबंधी समस्याओं में राहत मिलती है। चांदी मानसिक शांति और क्रोध पर नियंत्रण में भी सहायक होती है और नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर मन में स्थिरता और धैर्य लाती है।

पुरुषों के लिए दाहिना हाथ सबसे उपयुक्त माना गया है। विशेष रूप से कनिष्ठिका (छोटी उंगली) और अनामिका (रिंग फिंगर) में चांदी पहनने से ग्रहों का सकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। सही ढंग से पहनी गई चांदी पुरुषों के जीवन में संतुलन, शांति और समृद्धि लाने में सहायक होती है।

जमीन पर खाना है या मेज पर, वास्तु में छिपा है सुख–समृद्धि का राज

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय परंपरा में भोजन को केवल भूख मिटाने का साधन नहीं माना गया है। इसे शरीर और मन को ऊर्जा प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। यही कारण है कि पुराने समय में भोजन करने के स्थान, बैठने के तरीके और दिशा को लेकर विशेष नियमों का पालन किया जाता था। वास्तु शास्त्र में भी भोजन करने के तरीके से जुड़े कई नियम बताए गए हैं। हालांकि, ये मान्यताएं वास्तु परंपरा पर आधारित हैं और इनका वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है।

वास्तु और आयुर्वेद की परंपराओं में पालथी मारकर बैठकर भोजन करने को बेहतर माना गया है। इस मुद्रा को सुखासन कहा जाता है। मान्यता है कि इस तरह बैठकर भोजन करने से शरीर संतुलित रहता है और भोजन करने की प्रक्रिया सहज होती है। जमीन पर बैठकर भोजन करने की स्थिति में शरीर आगे की

ओर थोड़ा झुकता है, जिससे भोजन करने की प्रक्रिया आरामदायक मानी जाती है। हालांकि, सीधे फर्श पर बैठने के बजाय साफ आसन, चटाई या पाटे का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। जमीन पर

जमीन पर बैठकर भोजन करना शुभ

थाली जमीन पर रखने से बचें

बैठकर भोजन करते समय थाली को सीधे फर्श पर रखने के बजाय छोटी चौकी या पाटे का इस्तेमाल करना शुभ माना जाता है। परंपरा में इसे भोजन के प्रति सम्मान से जोड़कर देखा जाता है। साथ ही भोजन करने की जगह साफ और व्यवस्थित रखने पर भी जोर दिया जाता है। वास्तु के अनुसार, घर में भोजन कक्ष के लिए पश्चिम या दक्षिण–पश्चिम दिशा को उपयुक्त माना गया है। भोजन करते समय पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करना शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा को स्वास्थ्य और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ा जाता है। वहीं उत्तर दिशा को ज्ञान, धन और समृद्धि से संबंधित माना गया है। इसलिए विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए उत्तर दिशा की ओर मुख करके भोजन करना शुभ बताया जाता है। वास्तु परंपरा में पश्चिम दिशा को लाभ और सुख–सुविधाओं से जोड़कर देखा जाता है। व्यापार से जुड़े लोगों के लिए पश्चिम दिशा की ओर मुख करके भोजन करना शुभ माना गया है। इसके पीछे मान्यता है कि इससे कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं।

वास्तु में दक्षिण दिशा को पितरों और यम से संबंधित दिशा माना गया है। इसलिए भोजन करते समय दक्षिण दिशा की ओर मुख करने से बचने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इससे मानसिक तनाव और नकारात्मकता बढ़ सकती है। हालांकि, इन सभी नियमों को वास्तु संबंधी पारंपरिक मान्यताओं के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

सम्पादकीय

हिमालय चीख रहा हम विकास के शोर में सुन नहीं रहे

हिमालय केवल पहाड़ों की एक लंबी श्रृंखला नहीं है। वह करोड़ों लोगों की जीवनरेखा, नदियों का उद्‌गम और मौसम का प्रहरी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम उसकी भाषा समझ रहे हैं? केदारनाथ से लेकर सिक्किम और धराली तक हुई त्रासदियों के बाद नेपाल की भयावह आपदा एक बार फिर हमारे सामने खड़ी है। हर घटना जैसे एक ही चेतावनी दे रही है– हिमालय के साथ खिलवाड़ की कीमत बहुत भारी होगी।

पवन गौतम
संपादक

नेपाल में आई तबाही को केवल अचानक आई बाढ़ या हिमखंड टूटने की घटना मान लेना समस्या को छोटा करके देखने जैसा होगा। हिमालय का पर्यावरण बेहद नाजुक है। बढ़ता तापमान, बदलता मौसम और अनियंत्रित मानवीय गतिविधियां इस संवेदनशील भूभाग पर लगातार दबाव बढ़ा रही हैं। जब पहाड़ कमजोर होते हैं तो पानी अपने साथ केवल पानी नहीं लाता, बल्कि चट्टान, मिट्टी और मलबे की पूरी ताकत लेकर नीचे उतरता है। यही मलबा बस्तियों, पुलों, सड़कों और दूसरे ढांचों को पलभर में निगल सकता है। विडंबना यह है कि जिन लोगों पर इन आपदाओं का सबसे अधिक असर पड़ता है, अक्सर उन्हीं को जिम्मेदार मान लिया जाता है। पहाड़ों में रहने वाला आम आदमी न तो जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण है और न ही उसने वैश्विक तापमान बढ़ाने की कोई योजना बनाई है। फिर भी नुकसान का सबसे बड़ा हिस्सा उसी के हिस्से में आता है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

पिछले दो सौ वर्षों के कार्बन उत्सर्जन ने पूरी पृथ्वी के तापीय संतुलन को प्रभावित किया है। समुद्रों का तापमान, वर्षा का स्वरूप और मानसून का चक्र बदल रहा है। अब बारिश कब सामान्य रहेगी और कब अचानक विनाशकारी रूप ले लेगी, इसका अनुमान लगाना कठिन होता जा रहा है।

इसलिए नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की आपदा समझना भूल होगी। यह पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए चेतावनी है। विकास जरूरी है, लेकिन ऐसा विकास जो पहाड़ों की क्षमता और प्रकृति की सीमाओं को समझे। सड़क, बांध और पर्यटन चाहिए, मगर प्रकृति की कीमत पर नहीं।

हिमालय हमें बार–बार संकेत दे रहा है। जरूरत केवल चेतावनी सुनने की नहीं, बल्कि उससे सीखकर अपनी नीतियां बदलने की है। वरना अगली त्रासदी हमें चेतावनी देने नहीं आएगी–सीधे हिसाब लेने आएगी।

नजरिया

मोदी की कूटनीति से बदल रहा शक्ति संतुलन,अमेरिका की बढ़ी चिंता

बोध प्रकाश सगुणी

भारत की विदेश नीति इन दिनों ऐसे दौर से गुजर रही है, जब हर कदम का असर केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन पर भी दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित उज्बेकिस्तान यात्रा, इसके बाद किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में होने वाला शंघाई सहयोग संगठन का शिखर सम्मेलन और फिर नई दिल्ली में प्रस्तावित ब्रिक्स सम्मेलन–इन तीनों घटनाक्रमों को एक साथ देखा जाए तो भारत की कूटनीतिक सक्रियता का व्यापक स्वरूप सामने आता है। खास बात यह है कि इस पूरी श्रृंखला में रूस और चीन के शीर्ष नेतृत्व के साथ भारत की सीधी बातचीत होगी। ऐसे समय में जब अमेरिका भारत को अपने रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है, यह स्वतंत्र कूटनीतिक रुख वाशिंगटन के लिए स्वाभाविक रूप से चिंता का विषय हो सकता है।

मध्य एशिया लंबे समय से रूस और चीन के प्रभाव का क्षेत्र रहा है, लेकिन अब वहां अमेरिकी दिलचस्पी भी बढ़ी है। चीन अपनी महत्वाकांक्षी संपर्क परियोजनाओं के माध्यम से मध्य एशियाई देशों में आर्थिक पकड़ मजबूत कर रहा है, जबकि रूस राजनीतिक, सुरक्षा और सैन्य संबंधों के कारण अपना प्रभाव बनाए रखना चाहता है। अमेरिका इस क्षेत्र में चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव के बीच अपनी रणनीतिक उपस्थिति कायम रखना चाहता है। ऐसे माहौल में भारत का सक्रिय होना बताता है कि नई दिल्ली इस क्षेत्र को केवल दूसरे देशों के प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों से जोड़कर देख रही है।

उज्बेकिस्तान भारत के लिए इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मध्य एशिया के साथ भारत के पुराने सांस्कृतिक संबंध रहे हैं, लेकिन भौगोलिक परिस्थितियों ने आर्थिक और व्यापारिक संपर्क को अपेक्षित गति नहीं मिलने दी। पाकिस्तान के रास्ते जमीनी संपर्क का विकल्प लंबे समय से बंद है। यही कारण है कि भारत समुद्री और बहुपक्षीय संपर्क मार्गों को विशेष महत्व दे रहा है। अंतरराष्ट्रीय उत्तर–दक्षिण परिवहन गलियारा और ईरान का चाबहार बंदरगाह इसी रणनीति का हिस्सा हैं। इन माध्यमों से भारत मध्य एशिया तक पहुंच बनाने और वहां व्यापार तथा आर्थिक गतिविधियों का विस्तार करने की कोशिश कर रहा है।

उज्बेकिस्तान के साथ भारत का सहयोग केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। औषधि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्षा, ऊर्जा, डिजिटल तकनीक और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्र आने वाले वर्षों में दोनों देशों के संबंधों की दिशा तय कर सकते हैं। मध्य एशिया में महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता और भारत की बढ़ती औद्योगिक आवश्यकताएं इस साझेदारी को और महत्वपूर्ण

बनाती हैं। ऐसे में ताशकंद के साथ संबंधों को मजबूत करना भारत की दीर्घकालिक आर्थिक और सामरिक नीति का हिस्सा माना जाना चाहिए।

अफगानिस्तान भी इस पूरी कूटनीतिक कवायद का महत्वपूर्ण पक्ष है। अफगानिस्तान में स्थिरता के बिना मध्य और दक्षिण एशिया के बीच व्यापार, संपर्क और सुरक्षा संबंधी योजनाओं को स्थायी सफलता मिलना कठिन है। भारत और उज्बेकिस्तान दोनों ही अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता के पक्षधर रहे हैं। दोनों देशों के बीच इस मुद्दे पर बेहतर समन्वय क्षेत्रीय राजनीति को प्रभावित कर सकता है। इसके अलावा रक्षा सहयोग और संयुक्त सैन्य अभ्यास दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास को दर्शश्व७ते हैं।

इसके बाद बिश्केक में होने वाला शंघाई सहयोग संगठन का शिखर सम्मेलन भारत को रूस और चीन सहित यूरेशिया की प्रमुख शक्तियों के साथ एक ही मंच पर बातचीत का अवसर देगा। भारत के लिए यह संगठन केवल औपचारिक बैठकों का मंच नहीं है। आतंकवाद, क्षेत्रीय सुरक्षा, ऊर्जा, व्यापार, संपर्क और आर्थिक सहयोग जैसे विषय सीधे भारत के हितों से जुड़े हैं। भारत लगातार यह बात उठाता रहा है कि संपर्क परियोजनाओं में सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान होना चाहिए। आतंकवाद के मुद्दे पर भी भारत किसी प्रकार के दोहरे मापदंड के खिलाफ रहा है।

सबसे अधिक ध्यान रूस के साथ भारत के संबंधों पर रहेगा। पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने पारंपरिक संबंधों को समाप्त नहीं किया। ऊर्जा सुरक्षा से लेकर रक्षा, परमाणु सहयोग, उर्वरक और व्यापार तक कई क्षेत्रों में रूस भारत के लिए महत्वपूर्ण साझेदार है। वैश्विक परिस्थितियां बदलने के बावजूद नई दिल्ली ने यह स्पष्ट रखा है कि विदेश नीति का आधार किसी दूसरे देश की अपेक्षा नहीं, बल्कि भारत का राष्ट्रीय हित होगा।

यही नीति अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चुनौती भी है। भारत और अमेरिका के संबंध पिछले वर्षों में तेजी से मजबूत हुए हैं। रक्षा, तकनीक, व्यापार और हिंद–प्रशांत क्षेत्र में दोनों देशों का सहयोग बढ़ा है। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि भारत अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति केंद्र के अनुरूप ढाल देगा। भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस से संबंध बनाए रख सकता है और चीन के साथ प्रतिस्पर्धा के बावजूद बहुपक्षीय मंचों पर संवाद भी कर सकता है। यही भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की वास्तविक परीक्षा है।

आने वाले ब्रिक्स सम्मेलन का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है, क्योंकि वहां रूस और चीन के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी भारत की कूटनीतिक भूमिका को व्यापक मंच देगी। यदि कम समय के अंतराल में मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग कई बहुपक्षीय मंचों पर साथ दिखाई देते हैं, तो इसे किसी त्रिपक्षीय गठबंधन के रूप में देखना उचित नहीं होगा। भारत और चीन के बीच सीमा, व्यापार और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा से जुड़े गंभीर मतभेद हैं। रूस और चीन के संबंध भी अपने अलग हितों से संचालित होते हैं। इसलिए तीनों देशों की एक मंच पर मौजूदगी को मित्रता की नई धुरी मान लेना अतिशयोक्ति होगी।

फिर भी इसका संदेश महत्वपूर्ण है। विश्व व्यवस्था तेजी से बहुध्रुवीय हो रही है और भारत उसमें अपनी स्वतंत्र भूमिका तलाश रहा है। वैश्विक दक्षिण की आवाज, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और विकासशील देशों के हित जैसे मुद्दों पर भारत कई देशों के बीच सेतु की भूमिका निभा सकता है। यही कारण है कि भारत की कूटनीतिक गतिविधियों को केवल अमेरिका बनाम चीन या रूस बनाम पश्चिम के चश्मे से देखना उचित नहीं होगा।

प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान से बिश्केक और फिर नई दि ल्ली तक की कूटनीतिक सक्रियता का सबसे बड़ा संदेश यही है कि भारत किसी एक खेमे का हिस्सा बनने के बजाय सभी प्रमुख शक्तियों के साथ अपने हितों के अनुरूप संबंध बनाए रखना चाहता है। अमेरिका भारत का महत्वपूर्ण साझेदार है, रूस पुराना रणनीतिक सहयोगी है और चीन चुनौती के साथ–साथ संवाद का भी पक्ष है। इन तीनों के बीच संतुलन साधना आसान नहीं है, लेकिन यही भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी परीक्षा भी है।

अमेरिका के लिए असहजता का कारण भारत का रूस या चीन के करीब जाना भर नहीं है। असली चुनौती यह है कि भारत किसी दबाव में अपनी स्वतंत्र विदेश नीति छोड़ने को तैयार नहीं दिखता। नई दिल्ली का संदेश स्पष्ट है–साझेदारी अनेक देशों से हो सकती है, लेकिन निर्णय भारत के राष्ट्रीय हित के आधार पर ही होंगे। आने वाले दिनों में ताशकंद, बिश्केक और नई दिल्ली के मंच इस नीति की अगली तस्वीर सामने रखेंगे। बदलती विश्व व्यवस्था में भारत की ताकत शायद इसी स्वतंत्र संतुलन में छिपी है।

विचार विंडो

छोटी समस्याओं के बड़े हल खोजे, तभी बदलेगा आम जीवन

राम प्रकाश वर्मा

किसी देश की प्रगति केवल ऊंची इमारतों, बड़ी परियोजनाओं और अत्याधुनिक तकनीक से नहीं मापी जाती। असली विकास तब दिखाई देता है, जब आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी थोड़ी आसान, सुरक्षित और सुविधाजनक हो जाए। घर में खरीदा गया भोजन सुरक्षित है या नहीं, अस्पताल में गंभीर मरीज को एक कक्ष से दूसरे कक्ष तक ले जाते समय उसका उपचार बाधित तो नहीं होगा, खेत से बाजार तक पहुंचते–पहुंचते फल और सब्जियां खराब तो नहीं हो रही हैं–ऐसे सवाल भले छोटे दिखाई दें, लेकिन करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़े हैं।

देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट आज भी बड़ी चुनौती है। समय–समय पर होने वाली जांच और कार्रवाई से मिलावटखोरों पर शिकंजा कसता है, लेकिन केवल छापेमारी से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं। आवश्यकता ऐसे सरल उपायों की है, जिनसे आम नागरिक भी प्रारंभिक स्तर पर अपने भोजन की गुणवत्ता के बारे में सावधान हो सके। कम लागत वाला ऐसा उपकरण विकसित किया जा सकता है, जो कुछ सामान्य मिलावट की प्रारंभिक पहचान कर संकेत दे और जरूरत पड़ने पर प्रयोगशाला जांच की सलाह दे।

ऐसी तकनीक को अंतिम प्रमाण नहीं, बल्कि शुरुआती चेतावनी के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। यदि विद्यालयों, बाजारों, आवासीय समितियों और स्थानीय निकायों के स्तर पर खाद्य सुरक्षा को लेकर ऐसी सुविधाएं उपलब्ध हों तो जागरूकता भी बढ़ेगी और मिलावट करने वालों पर सामाजिक दबाव भी बनेगा। तकनीक का उद्देश्य केवल मशीन बनाना नहीं होना चाहिए, बल्कि उसे लोगों की वास्तविक जरूरत से जोड़ना होना चाहिए।

स्वास्थ्य क्षेत्र इसका और बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करता है। अस्पताल में गंभीर मरीज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना देखने में सामान्य प्र क्रिया लग सकती है, लेकिन इस दौरान अचानक मरीज की हालत बिगड़ जाए तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है। इसी व्यावहारिक समस्या को ध्यान में रखकर चिकित्सकों ने ऐसा बहुउद्‌देश्यीय आपातकालीन स्ट्रेचर विकसित किया है, जिसे अलग–अलग परिस्थितियों के अनुसार इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस तरह के प्रयास यह बताते हैं कि नवाचार हमेशा किसी बड़ी प्रयोगशाला से ही जन्म नहीं लेता। कई बार वह रोजाना काम करते हुए सामने आने वाली छोटी–सी परेशानी से पैदा होता है। चिकित्सक ने सोचा कि मरीज को ले जाते समय यदि तुरंत हृदय–फेफड़ा पुनर्जीवन की जरूरत पड़ जाए तो क्या होगा। इसी सवाल ने ऐसी व्यवस्था की जरूरत पैदा की, जिसमें मरीज को स्थानांतरित करते समय भी आवश्यक आपातकालीन सुविधाएं उपलब्ध रहें।

यही सोच दूसरे क्षेत्रों में भी लागू की जा सकती है। भारत में खेतों में उत्पादन बढ़ाने की चर्चा खूब होती है, लेकिन खेत से उपभोक्ता की थाली तक पहुंचने के दौरान होने वाली बर्बादी पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है। फल और सब्जियों का एक बड़ा हिस्सा उचित भंडारण, तापमान, परिवहन और बाजार तक पहुंचने में लगने वाले समय के कारण खराब हो जाता है। इससे किसान को नुकसान होता है, उपभोक्ता को महंगा सामान मिलता है और देश का खाद्य संसाधन भी नष्ट होता है।

इस समस्या का समाधान भी रोजमर्रा के नवाचार में छिपा हो सकता है। ऐसे परिवहन बक्से विकसित किए जा सकते हैं, जिनमें कम लागत वाले संवेदक लगे हों और जो तापमान, नमी, कंपन तथा परिवहन की अवधि पर नजर रखें। कुछ उत्पादों में पकने की प्रक्रिया से जुड़े संकेतकों की निगरानी भी संभव हो सकती है। यदि किसी खेप के जल्दी खराब होने की संभावना हो तो समय रहते व्यापारी या किसान को सूचना मिल जाए। इससे नुकसान कम किया जा सकता है।

यहां एक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि हमारे नवाचार का केंद्र कौन होना चाहिए? जवाब स्पष्ट है–आम नागरिक। तकनीक तभी सार्थक है जब वह केवल बड़े उद्योगों या संपन्न लोगों की सुविधा न बढ़ाए, बल्कि समाज के कमजोर और सामान्य वर्गों की जिंदगी भी बेहतर बनाए।

बुजुर्गों के लिए घर में सुरक्षित आवागमन, दिव्यांगों के लिए आसान उपकरण, बच्चों के लिए सुरक्षित सार्वजनिक स्थान, किसानों के लिए कम लागत वाली निगरानी व्यवस्था, छोटे दुकानदारों के लिए सरल भंडारण तकनीक और यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं–इन सभी क्षेत्रों में नवाचार की अपार संभावनाएं हैं।

आज के युवाओं और विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल नई तकनीक सीखने की नहीं, बल्कि यह समझने की है कि उस तकनीक का उपयोग किस समस्या को हल करने में किया जाए। किसी कठिन वैज्ञानिक उपलब्धि से ज्यादा महत्वपूर्ण कई बार ऐसा छोटा आविष्कार होता है, जो लाखों लोगों के समय, धन और श्रम की बचत कर दे।

सरकार, शिक्षण संस्थानों, उद्योगों और शोध संस्थानों को भी ऐसे नवाचारों को बढ़ावा देना चाहिए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में केवल प्रतियोगिताओं के लिए मॉडल बनाने के बजाय स्थानीय समस्याओं पर आधारित परियोजनाएं कराई जानी चाहिए। बाजार तक पहुंच, परीक्षण, प्रमाणन और वित्तीय सहायता की व्यवस्था हो तो विद्यार्थियों के विचार वास्तविक समाधान में बदल सकते हैं।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विशाल आबादी और विविध जरूरतें हैं। यही विविधता नवाचार के लिए सबसे बड़ा अवसर भी है। हमारे आसपास ऐसी हजारों समस्याएं हैं, जिनका समाधान किसी महंगी और जटिल तकनीक के बजाय सरल, सस्ती और उपयोगी सोच से संभव है।

निष्कर्ष यही है कि नवाचार का अर्थ केवल भविष्य की बड़ी खोज नहीं, बल्कि आज की छोटी परेशानी का बेहतर समाधान भी है। जिस दिन हमारी तकनीकी सोच प्रयोगशालाओं से निकलकर आम आदमी की रसोई, खेत, सड़क और अस्पताल तक पहुंचेगी, उसी दिन नवाचार वास्तव में जीवन की गुणवत्ता बदलने की ताकत बनेगा।

रोजमर्रा की आदतें आपको धीरे–धीरे बना सकती हैं बीमार

यूनिक समय, मथुरा। हमारी लाइफस्टाइल में कई छोटी–छोटी आदतें होती हैं जिन्हें हम सामान्य मानकर नज़रअंदाज़ कर देते हैं, लेकिन यही आदतें धीरे–धीरे हमें बीमार बना देती हैं। मॉर्डन लाइफस्टाइल के चलते लोगों का रूटीन बिगड़ चुका है और यही कारण है कि कम उम्र में भी कई गंभीर बीमारियां घर कर लेती हैं। मोटापा, डायबिटीज़ और हार्ट डिज़ीज़ जैसी समस्याएं अक्सर इन्हीं गलतियों से शुरू होती हैं।

सबसे पहली और सबसे आम आदत है देर रात तक जागना। आजकल मोबाइल फोन, टीवी और लैपटॉप पर समय बिताने के कारण लोग देर तक सोते हैं। इससे नींद पूरी नहीं हो पाती और शरीर की बायोलॉजिकल क्लॉक डिस्टर्ब हो जाती है। इसका असर न सिर्फ शरीर बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। नींद की कमी थकान, चिड़चिड़ापन और कई बार हार्मोनल असंतुलन का कारण बनती है।

एक और नुकसानदायक आदत है सुबह उठते ही मोबाइल देखना। बहुत से लोग सुबह आंख खुलते ही सबसे पहले नोटिफिकेशन और सोशल मीडिया चेक करते हैं। दिन की शुरुआत स्क्रीन से करने से दिमाग पर तुरंत दबाव पड़ता है और तनाव बढ़ने लगता है। यह धीरे–धीरे चिंता और डिप्रेशन जैसी समस्याओं को भी जन्म दे सकता है।

लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहना भी उतना ही खतरनाक है। ऑफिस वर्क हो या पढ़ाई, लगातार घंटों तक बैठने से शरीर में जकड़न और दर्द होने लगता है। ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है और मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप भी लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं तो बीच–बीच में उठकर कुछ मिनट टहलना ज़रूरी है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जंक फूड का चलन बहुत बढ़ गया है। पिज्जा, बर्गर और तली–भुनी चीजें स्वादिष्ट लगती हैं लेकिन ये धीरे–धीरे शरीर को बीमार कर देती हैं। लगातार जंक फूड खाने से इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और मोटापा बढ़ता है, जो आगे चलकर डायबिटीज़ और हार्ट डिज़ीज़ जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है।

पानी कम पीने की आदत भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देती है। पर्याप्त पानी न पीने से शरीर डिहाइड्रेट होने लगता है। इसका असर स्किन पर झुर्रियों और ड्राईनेस के रूप में दिखता है। साथ ही कब्ज, थकान और किडनी पर दबाव जैसी समस्याएं भी होने लगती हैं। इन पांच आदतों से बचने के लिए जरूरी है कि समय पर सोने और उठने की आदत डालें, रोज़ाना कम से कम 2.5 से 3 लीटर पानी पिएं, स्क्रीन टाइम को कम करें, हेल्दी डाइट का पालन करें और नियमित रूप से शारीरिक गतिविधियों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। अगर छोटी–छोटी अच्छी आदतें अपनाई जाएं तो न केवल बीमारियों से बचा जा सकता है बल्कि एक लंबी, स्वस्थ और ऊर्जावान जिंदगी जीना भी संभव है।

कपड़ों से तेल, चाय–कॉफी और हल्दी के दाग आसानी से हटाने के आसान टिप्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। किचन में खाना बनाते समय अक्सर कपड़ों पर तेल, सब्जी, चाय या कॉफी के दाग लग जाते हैं। ये दाग काफी जिद्दी होते हैं और ज्यादा रगड़ने पर कपड़े की बनावट और रंग भी खराब हो सकते हैं। लेकिन कुछ आसान घरेलू उपायों से इन दागों को बिना नुकसान पहुंचाए हटाया जा सकता है।

कपड़े पर तेल लग जाए तो दाग वाली जगह पर बेकिंग सोडा डालकर कम से कम 10 मिनट के लिए छोड़ दें। बेकिंग सोडा तेल को सोख लेगा और दाग हल्का हो जाएगा। इसके बाद थोड़ी डिशवॉश लिक्विड की बूंदें डालकर हल्के हाथों से रगड़ें और फिर कपड़े को गुनगुने पानी में धो लें। ध्यान रहे कि पानी में भिगोने के बाद दाग छिप सकते हैं, इसलिए बेकिंग सोडा हटाते समय दाग वाली जगह पर ध्यान दें।

सब्जी के दाग, खासकर हल्दी वाले, पीले निशान छोड़ सकते हैं। इन्हें हटाने के लिए नींबू का रस या बेकिंग सोडा का पेस्ट दाग पर लगाकर 10झ15 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर ठंडे पानी से धो लें।

चाय और कॉफी के दाग हटाने के लिए सिरका काफी मददगार होता है। सिरके में दो भाग पानी मिलाकर दाग पर लगाएं और 10 मिनट बाद हल्के हाथों से लिक्विड सोप लगाकर रगड़ें।

दाग को तुरंत साफ करना सबसे जरूरी है। यदि दाग कपड़े पर लंबे समय तक रह जाए तो उसे हटाना मुश्किल हो जाता है। कॉटन या डाई किए कपड़ों पर गर्म पानी का इस्तेमाल न करें और सिरका या नींबू का उपयोग हमेशा सावधानी से करें। ज्यादा रगड़ने से कपड़े के रेशे टूट सकते हैं और रंग भी उतर सकता है।

इन आसान उपायों से न केवल दाग आसानी से हट जाते हैं, बल्कि कपड़े लंबे समय तक नए और चमकदार बने रहते हैं। थोड़ी सी सावधानी और सही तरीके से सफाई करने से कपड़े लंबे समय तक अच्छे बने रहते हैं और बार–बार धोने की जरूरत भी कम पड़ती है।

स्कूल में टीचर्स पहनें ये साड़ियां, दिखेंगी क्लासी और ग्रेसफुल

यूनिक समय, मथुरा। हिंदी दिवस हर साल 14 सितंबर को मनाया जाता है। इस दिन स्कूलों में भी कई प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। अगर आप एक टीचर हैं और इस खास मौके पर क्लासी और एलीगेंट अंदाज़ में दिखना चाहती हैं तो बॉलीवुड एक्ट्रेसेज़ के कुछ साड़ी लुक्स से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। इनमें ड्रेपिंग स्टाइल से लेकर ज्वेलरी और हेयरस्टाइल तक का आइडिया मिलेगा। सबसे पहले बात करें तापसी पन्नू के लुक की, तो उन्होंने वाइट कलर का प्रिंटेड साड़ी को फ्रीस्टाइल पल्लू में ड्रेप किया है। इसके साथ उन्होंने स्लीवलेस ब्लाउज पहना और हेयरस्टाइल को बन बनाकर सिंपल रखा। ऑक्सीडाइज ज्वेलरी और नेचुरल मेकअप के साथ उनका ये लुक वर्कप्लेस के लिए बिल्कुल परफेक्ट और सोबर है।

विद्या बालन का साड़ी स्टाइल हमेशा ही खास रहा है। उन्होंने ब्लैक कलर की साड़ी पहनी है जिसपर गोल्डन स्ट्रिप्स से ग्रिड पैटर्न बना है। सिंपल ज्वेलरी और मिनिमल मेकअप के साथ उनका यह लुक टीचर्स के लिए हिंदी दिवस जैसे मौके पर बेहतरीन विकल्प हो सकता है। अगर आप हैंडलूम साड़ियों को पसंद करती हैं तो एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश का लुक इंस्पायर कर सकता है। उन्होंने केरल की पारंपरिक कसावु साड़ी पहनी है जो ऑफ–व्हाइट कलर में है। इसके साथ रेड ब्लाउज से कॉन्ट्रास्ट क्रिएट किया गया है। सिंपल हेयरस्टाइल, ईयररिंग्स और वॉच के साथ उनका लुक बेहद क्लासी नजर आता है। स्कूल प्रीत सिंह का लाइट पिंक कलर की लिनन साड़ी वाला लुक भी खास है। ब्रॉड स्ट्रिप डिजाइन वाली इस साड़ी को उन्होंने ऑक्सीडाइज ज्वेलरी और मिनिमल मेकअप के साथ कैरी किया है। यह लुक ग्रेसफुल और एलीगेंट दोनों है।

वहीं, तापसी पन्नू का एक और इंडो–वेस्टर्न लुक भी ध्यान खींचता है। उन्होंने ग्रीन कॉटन साड़ी के साथ बेस कोट स्टाइल ब्लाउज और स्नीकर्स कैरी किए हैं। इससे साड़ी को मॉर्डन और ट्रेंडी टच मिलता है।

हिंदी दिवस पर अगर आप स्कूल में सबसे अलग और स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो इन लुक्स से इंस्पिरेशन लेकर अपना आउटफिट चुन सकती हैं। सही ड्रेपिंग और ज्वेलरी के साथ आप भी पा सकती हैं ग्रेसफुल और क्लासी अंदाज़।

सितंबर स्पेशल : नैनीताल की ये जगहें आपको कर देंगी दीवाना

यूनिक समय, मथुरा। सितंबर का महीना नैनीताल घूमने के लिए सबसे बेहतरीन समय माना जाता है। इस वक्त मानसून के बाद मौसम सुहावना हो जाता है और हवा में हल्की ठंडक घुल जाती है। हर साल हजारों सैलानी यहां प्रकृति का आनंद लेने आते हैं। अगर आप भी नैनीताल ट्रिप का प्लान बना रहे हैं तो इन पांच खास जगहों और एक्टिविटीज़ को अपनी लिस्ट में जरूर शामिल करें।

नैनीताल की खूबसूरती का सबसे असली मज़ा नैनीझील की बोटिंग में छिपा है। शांत लहरों पर नाव की सवारी हर किसी को सुकून देती है। यहां रोइंग बोट और पैडल बोट दोनों का विकल्प मिलता है। पूरे तालाब की बोटिंग का किराया 420 रुपये और आधे तालाब का 320 रुपये है। पैडल बोट का किराया दो सीटर के लिए 320 और

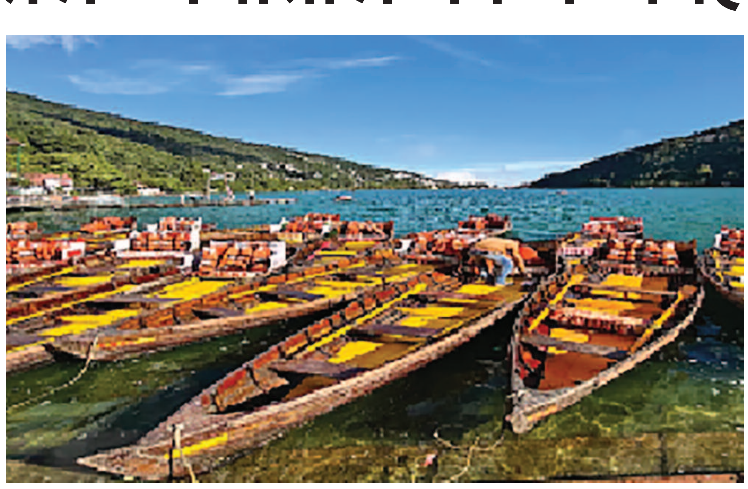

चार सीटर के लिए 420 रुपये प्रति घंटा है। दोस्तों और परिवार के साथ यहां बोटिंग करना एक यादगार अनुभव बन जाता है।

एडवेंचर और रोमांच चाहने वालों के लिए नैनीताल का रोप–वे शानदार विकल्प है। यह राइड अप्पू घर से शेर का डंडा पहाड़ी की चोटी तक जाती है। ऊपर पहुंचकर स्नो व्यू प्वाइंट से नंदा देवी, पंचाचुली और नेपाल की अन्नपूर्णा श्रृंखला का दिलकश नजारा दिखाई देता है। वयस्कों के लिए किराया 360 और बच्चों के लिए 260 रुपये है। यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त देखना अपने आप में जादुई अनुभव है।

स्नो व्यू क्षेत्र में स्थित टावर 360 नैनीताल की एक और खास जगह है। 110 फीट ऊंचाई से यहां से चारों ओर फैली झीलें, बर्फ से ढकी चोटियां और हरे–भरे पहाड़ पैनोरमिक व्यू देते हैं। टिकट केवल 250 रुपये का है और धीरे–धीरे ऊपर उठता यह टावर रोमांच के साथ–साथ फोटोग्राफी के लिए भी परफेक्ट जगह है।

तल्लीताल स्थित नैनीताल जू बच्चों और बड़ों दोनों के लिए आकर्षण का केंद्र है। करीब 11 एकड़ में फैले इस जू में हिमालयी भालू, तेंदुआ और कई दुर्लभ जीव देखने को मिलते हैं। यहां दीवारों पर बनी कुमाऊंनी पेंटिंग्स भी देखने लायक हैं। प्रवेश शुल्क 100 रुपये है और यह हर गुरुवार को बंद रहता है।

नैनीताल से महज 6 किलोमीटर दूर माउंटेन मैजिक एडवेंचर पार्क रोमांच प्रेमियों के लिए स्वर्ग है। जिप लाइन, स्काई साइक्लिंग और गो–कार्टिंग जैसी एक्टिविटीज़ यहां हर किसी को आकर्षित करती हैं। साथ ही ओपन कैफे में इंडियन और चाइनीज फूड का स्वाद भी शानदार है। यह नैनीताल का सबसे बड़ा एडवेंचर पार्क है और यहां हर उम्र के लोग मस्ती कर सकते हैं। अगर आप सितंबर में नैनीताल आते हैं तो इन जगहों पर घूमना आपकी ट्रिप को और भी यादगार बना देगा।

छात्राओं ने सीएम योगी को बांधी राखी, मिली खास सलाह

यूनिक समय, लखनऊ। रक्षाबंधन के अवसर पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कालिदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर स्कूली छात्राओं के साथ 'स्नेह बंधन' कार्यक्रम में त्योहार मनाया। छात्राओं ने मुख्यमंत्री की कलाई पर राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने भी बच्चों को उपहार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने मुख्यमंत्री से कई सवाल पूछे। एक छात्र ने उनसे सामाजिक माध्यमों के दुष्प्रभाव और स्मार्टफोन के अत्यधिक इस्तेमाल को लेकर सवाल किया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बच्चों को मोबाइल फोन से दूरी बनाने और अच्छी तथा प्रेरणादायक किताबें पढ़ने की सलाह दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है, लेकिन उसका इस्तेमाल संतुलित तरीके से होना चाहिए। जरूरत से ज्यादा समय मोबाइल फोन और पर्दे पर बिताने से बच्चों की सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। आंखों पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि मोबाइल का उपयोग पढ़ाई और उपयोगी जानकारी हासिल करने के लिए किया जा सकता है, लेकिन हर उपलब्ध सामग्री बच्चों के लिए लाभकारी नहीं होती। इसलिए बच्चों को अपनी पढ़ाई और ज्ञानवर्धक सामग्री पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

स्मार्टफोन का सीमित उपयोग कर अच्छी किताबें पढ़ें बच्चे

तकनीक जरूरी लेकिन उपयोग सीमित रखें बच्चे

चार से छह घंटे फोन चलाने वालों को सलाह

योगी ने रोजाना चार से छह घंटे मोबाइल चलाने वाले बच्चों से अपना समय धीरे-धीरे कम करने की अपील की। उन्होंने कैलकुलेटर का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले बच्चे पहाड़े और गिनती याद रखते थे, लेकिन तकनीकी साधनों पर बढ़ती निर्भरता से याद रखने की आदत प्रभावित हुई है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए अच्छी सोच विकसित करना जरूरी है। इसके लिए किताबें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए और तकनीक का इस्तेमाल जरूरत के अनुसार ही करना चाहिए।

रक्षाबंधन पर घर का आंगन 25 फीट धंसा, गिरकर युवती की मौत

यशी, मृतक

सात घंटे फंसी रही, 60 जवानों ने गड्ढा खोदकर निकाला

पुरानी बोरिंग के ऊपर बना था फर्श, बारिश से धंसी जमीन

यूनिक समय, कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र के पुरवामीर गांव में रक्षाबंधन के दिन दर्दनाक हादसा हो गया। घर के आंगन की जमीन अचानक धंसने से 18 वर्षीय यशी सविता करीब 25 फीट गहरे गड्ढे में जा गिरी। करीब सात घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद उसे बाहर निकाला गया, लेकिन अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

हादसा शुक्रवार सुबह करीब 6:40 बजे हुआ। यशी स्नान करके बाथरूम से बाहर निकली थी। जैसे ही उसने आंगन की ओर कदम बढ़ाया, जमीन धंस गई और वह नीचे मौजूद पुरानी बोरिंग में गिर गई। उसकी बड़ी बहन ने रस्सी के सहारे उसे निकालने का प्रयास किया, लेकिन मिट्टी और धंसने से वह और नीचे चली गई। परिजनों के अनुसार, करीब तीन साल पहले घर बनाते समय आंगन में बोरिंग कराई गई थी, लेकिन पानी नहीं निकलने पर उसे छोड़ दिया गया। बाद में उसी के ऊपर फर्श बना दिया गया था। लगातार बारिश के कारण जमीन कमजोर हो गई और अचानक धंस गई। सूचना मिलने पर पुलिस, दमकल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल की टीमें मौके पर पहुंचीं। पहले फावड़े से खोदाई की गई, लेकिन मिट्टी धंसने के कारण अभियान रोकना पड़ा। इसके बाद मशीन से घर के पास गड्ढा खोदा गया। करीब 30 फीट तक खोदाई के बाद दोपहर 2:20 बजे यशी को बाहर निकाला गया। उसे तत्काल सरसौल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। यशी के भाई अमित लखनऊ से घर लौट रहे थे। वह रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने की तैयारी कर रही थी, लेकिन हादसे में उसकी मौत हो गई और भाई को राखी बांधने की उसकी तमन्ना अधूरी रह गई।

अखिलेश ने भाजपा पर साधा निशाना बोले सवालों से घबराती है भाजपा

सैफई में रक्षाबंधन पर कार्यकर्ताओं और लोगों से मिले

यूनिक समय, इटावा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रक्षाबंधन के अवसर पर सैफई में कार्यकर्ताओं और लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर महंगाई, शिक्षा, किसानों और महिलाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर निशाना साधा। अखिलेश ने कहा कि पढ़ा-लिखा गरीब सरकार से सवाल करने की ताकत रखता है और भाजपा सवालों से घबराती है।

उन्होंने जयप्रकाश नारायण को लेकर भी भाजपा पर तीखा हमला बोला। अखिलेश ने कहा कि जिन लोगों ने जयप्रकाश नारायण के नाम और विचारों को बेच दिया, उनसे किसी भलाई की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने अपने राजनीतिक हितों के लिए जेपी के विचारों का इस्तेमाल किया।

अखिलेश ने कहा कि पेट्रोल-डीजल और जरूरी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का असर आम लोगों पर पड़ रहा है। महंगाई के कारण त्योहारों की रौनक भी फीकी पड़ गई है। उन्होंने सरकार की आर्थिक नीतियों पर सवाल उठाते हुए किसानों के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिलना जरूरी है। नेपाल में आई आपदा पर उन्होंने वैज्ञानिक तरीके से कारणों की जांच की आवश्यकता जताई।

योगी सरकार स्टार्टअप में लगाएगी 40 करोड़ रुपये

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप नीति-2026 में कई अहम बदलाव किए हैं। नई नीति के तहत सरकार किसी पात्र स्टार्टअप में अधिकतम 40 करोड़ रुपये तक निवेश कर सकेगी। एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम चार स्टार्टअप को यह सहायता दी जाएगी।

डीप-टेक से जुड़े स्टार्टअप को सामान्य प्रोत्साहन के मुकाबले 50 प्रतिशत अतिरिक्त सहायता मिलेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, क्वांटम तकनीक, अंतरिक्ष तकनीक, स्वास्थ्य और कृषि तकनीक जैसे क्षेत्रों को विशेष पैकेज दिया जाएगा।

नीति में दो करोड़ रुपये तक के ऋण पर चार प्रतिशत ब्याज अनुदान का प्रावधान है। पेटेंट और गुणवत्ता प्रमाणन पर दो करोड़ रुपये तक की प्रतिपूर्ति भी मिलेगी। प्रोटोटाइप अनुदान 10 लाख और बीज पूंजी 15 लाख रुपये तक की गई है। चयनित स्टार्टअप को दो वर्ष तक प्रतिमाह 20 हजार रुपये भरण-पोषण भत्ता भी मिलेगा।

चेन लुटेरे को पकड़ते समय घायल हुआ यातायात सिपाही

महिला से चेन छीनकर भाग रहा था आरोपी

बहादुरी पर दस हजार का पुरस्कार घोषित

यूनिक समय, लखनऊ। रक्षाबंधन के दिन मड़ियांव ढाल पर यातायात ड्यूटी कर रहे आरक्षी नवीन चौधरी ने चेन छीनकर भाग रहे आरोपी को दौड़ाकर पकड़ लिया। आरोपी ने बचने के लिए उनके चेहरे पर पत्थर से हमला कर दिया। नाक पर चोट लगने और खून निकलने के बावजूद सिपाही ने आरोपी को नहीं छोड़ा और उसे पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे की है। रक्षाबंधन के चलते शहर में भीड़ और यातायात दबाव को देखते हुए प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इसी दौरान नवीन चौधरी की नजर महिला से चेन छीनकर भाग रहे आरोपी पर पड़ी। उन्होंने तत्काल पीछा कर उसे पकड़ लिया। आरोपी ने गिरफ्त से बचने के लिए पत्थर उठाकर सिपाही के चेहरे पर वार कर दिया। हमले में नवीन चौधरी की नाक पर गंभीर चोट आई और उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां दो टांके लगाए गए। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत खतरे से बाहर है। पुलिस आयुक्त ने सिपाही के साहस और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए दस हजार रुपये नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देने की घोषणा की है। साथ ही प्रशंसा पदक के लिए भी उनका नाम प्रस्तावित किया गया है। इस बीच रक्षाबंधन के अवसर पर एक महिला ने घायल सिपाही को राखी बांधकर उनके साहस को सलाम किया।

बहन ने किडनी देकर भाई को दिया जीवनदान

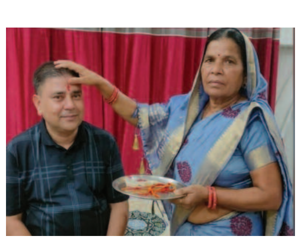

यूनिक समय, बागपत। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। बागपत के दोघट निवासी शिक्षक मुकेश शर्मा के लिए इस रिश्ते का अर्थ उनकी बहन सुशीला ने अपने त्याग से साबित किया। दोनों किडनियां खराब होने के बाद जिंदगी और मौत से जूझ रहे मुकेश को बहन ने अपनी किडनी देकर नया जीवन दिया।

मुकेश शर्मा सरधना क्षेत्र के एक पूर्व माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक हैं। वर्ष 2011 से उन्हें लगातार सिरदर्द और रक्तचाप बढ़ने की समस्या थी। उपचार के बावजूद उनकी हालत बिगड़ती गई और धीरे-धीरे दोनों किडनियां खराब हो गईं। इसके बाद उन्हें नियमित डायलिसिस करानी पड़ी। करीब एक वर्ष में उनकी 40 से अधिक बार डायलिसिस हुई, जिससे शरीर काफी कमजोर हो गया।

चिकित्सकों ने किडनी प्रत्यारोपण को ही स्थायी उपचार बताया। परिवार ने सबसे पहले मुकेश की पत्नी मोनिका

चालीस से अधिक बार डायलिसिस के बाद बिगड़ी थी हालत

पत्नी की किडनी नहीं मिली तो बहन आगे आई

2018 में हुआ प्रत्यारोपण लौटी जिंदगी

की जांच कराई, लेकिन रक्त समूह का मिलान नहीं होने के कारण वह किडनी देने के लिए उपयुक्त नहीं पाई गईं। भाई की बिगड़ती हालत देखकर बहन सुशीला ने आगे बढ़कर अपनी किडनी देने का फैसला किया। जरूरी चिकित्सकीय जांच में सुशीला की किडनी मुकेश के लिए उपयुक्त पाई गई। इसके बाद वर्ष 2018 में उनका किडनी प्रत्यारोपण किया गया। बहन की किडनी मिलने के बाद मुकेश की हालत में सुधार हुआ और वह सामान्य जीवन की ओर लौट सके। मुकेश कहते हैं कि बहन का यह उपकार वह जीवनभर नहीं भूलेंगे। सुशीला का कहना है कि भाई की जिंदगी बचाने से बड़ा सौभाग्य उनके लिए कुछ नहीं हो सकता। रक्षाबंधन पर दोनों का रिश्ता त्याग और समर्पण की मिसाल बन गया है।

तिब्बत में फिर झील फटी नेपाल में गांव कराए खाली

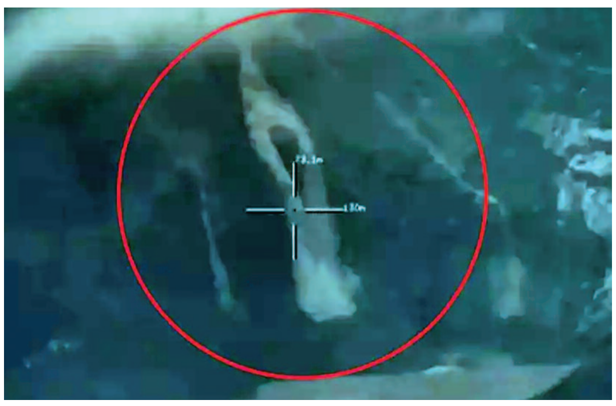

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल–तिब्बत सीमा क्षेत्र में एक बार फिर ग्लेशियर से बनी झील के फटने के बाद बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। चोचेन नदी और पुंगु सांगपो नदी के संगम के पास बनी झील का जलस्तर बढ़ने के बाद उसका बांध टूट गया। इसके बाद नेपाल के कई नदी तटीय इलाकों में प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। भोटेकोशी, त्रिशूली और नारायणी नदी के आसपास बसे गांवों को खाली कराया जा रहा है।

चीन की ओर से झील के फटने की आशंका एक दिन पहले ही जताई गई थी। झील टूटने के बाद पानी का बहाव तेज होने से नेपाल के निचले इलाकों में भी खतरा बढ़ गया। नेपाली सेना और सुरक्षा एजेंसियों ने लोगों को नदी किनारे से दूर रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

अब तक 552 मौतें 1500 लापता

चोचेन नदी के पास झील टूटने से बढ़ा बाढ़ का खतरा

सेना ने लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा

इससे पहले 26 अगस्त को तिब्बत के ग्यिरोंग क्षेत्र में भी हिमस्खलन के बाद झील में भारी मात्रा में बर्फ और मलबा गिरा था। करीब 50 हजार घन मीटर बर्फ–मलबा झील में जाने से जलस्तर बढ़ गया था।

लगातार दूसरी घटना के बाद दोनों देशों में बाढ़ और भूस्खलन की आशंका और गहरा गई है। नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 547 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 977 लोग लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों में बड़ी संख्या विदेशी नागरिकों की है। नेपाल सरकार के अनुसार 537 विदेशी नागरिकों का अब तक पता नहीं चल पाया है, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं।

नेपाल पर्यटन बोर्ड के अनुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से अब तक कई विदेशी नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया है। इनमें बड़ी संख्या भारतीयों की है। वहीं, चीन ने तिब्बत में राहत और बचाव अभियान को अस्थायी रूप से रोककर चौथे स्तर का चेतावनी संकेत जारी किया है।

भारत सरकार भी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। नेपाल से सुरक्षित निकाले गए भारतीय तीर्थयात्रियों को वापस लाने के प्रयास जारी हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए कुछ भारतीयों से संपर्क नहीं होने के कारण उनके परिजन भी चिंतित हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और सुरक्षा एजेंसियों के निर्देशों का पालन करते हुए संवेदनशील क्षेत्रों से दूर रहें।

पीएम मोदी ने बच्चों संग मनाया रक्षाबंधन, बंधवाई राखी

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास पर स्कूली बच्चियों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। बच्चियों ने प्रधानमंत्री को राखी बांधी। इस दौरान मोदी ने बच्चों से बातचीत की, हाथ मिलाया और हाई–फाइव किया। प्रधानमंत्री ने समारोह की तस्वीरें और वीडियो भी साझा किए।

बातचीत के दौरान एक बच्ची ने प्रधानमंत्री से उनके बचपन के सपने के बारे में पूछा। मोदी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि उनका सपना बच्चों से मिलने का था। इस पर बच्चियां हंसने लगीं। एक बच्ची ने उन्हें जन्मदिन की अग्रिम शुभकामना भी दी। प्रधानमंत्री ने बच्चों से उनकी पसंद और रुचियों को लेकर भी बातचीत की तथा उन्हें आशीर्वाद दिया।

बच्चियों संग हंसी मजाक, बातचीत और हाई–फाइव भी किया

बच्ची ने पूछा बचपन का सपना, मोदी मुस्कुराए

प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी पर्व की शुभकामनाएं

इससे पहले प्रधानमंत्री ने देशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पवित्र पर्व सभी के जीवन में खुशहाली, समृद्धि और सफलता लेकर आए तथा स्नेह और विश्वास का बंधन मजबूत बना रहे। उन्होंने संस्कृत के एक सुभाषित का उल्लेख करते हुए रक्षा सूत्र को सुख, स्वास्थ्य, विजय और समृद्धि से जोड़ने वाली परंपरा बताया। प्रधानमंत्री पिछले कई वर्षों से बच्चों के साथ रक्षाबंधन मनाते रहे हैं।

सीएम थलापति विजय ने विधानसभा की पुरानी परंपरा तोड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय गुरुवार को विधानसभा की कार्यवाही के दौरान अपनी निर्धारित सीट छोड़कर मंत्रियों के बीच जाकर बैठ गए। उनका यह कदम सदन में चर्चा का विषय बन गया। सामान्य तौर पर मुख्यमंत्री के लिए विधानसभा में अलग सीट निर्धारित रहती है, जबकि मंत्री वरिष्ठता के अनुसार आगे की पंक्तियों में बैठते हैं।

कार्यवाही के दौरान मुख्यमंत्री विजय विधानसभा अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर के दाईं ओर स्थित अपनी सीट से उठकर मंत्री केए सेंगोट्टैयन और आधव अर्जुन के बीच जाकर बैठ गए। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री का इस तरह अपनी निर्धारित सीट छोड़कर मंत्री की सीट पर बैठना असामान्य माना जा रहा है।

मंत्रियों के बीच जाकर बैठे मुख्यमंत्री, विपक्ष ने साधा निशाना

विधानसभा में बैठने की व्यवस्था पद और वरिष्ठता के अनुसार तय रहती है। मुख्यमंत्री के स्थान बदलने को लेकर विपक्ष की ओर से सवाल उठाए गए। इस पर आधव अर्जुन ने बताया कि विभागों के सचिव पास के एक कक्ष में मौजूद थे और विधायकों के भाषण तथा उठाए गए मुद्दों को दर्ज कर रहे थे। विजय के सीट बदलने का कारण स्पष्ट रूप से सामने नहीं आया, लेकिन उनकी यह पहल विधानसभा की पारंपरिक व्यवस्था से अलग रही।

नकली दरोगा बन नशा जब्त करता, फिर बेच देता था

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल के कोझिकोड में पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर खुद को उपनिरीक्षक बताकर मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करता था। आरोप है कि वह तस्करों से नशीला पदार्थ जब्त करने के बाद उसे दोबारा उन्हीं या दूसरे खरीदारों को बेच देता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान रोजित के रूप में हुई है।

पुलिस को शहर के अलग–अलग इलाकों से शिकायतें मिल रही थीं कि एक व्यक्ति खुद को उपनिरीक्षक बताकर युवाओं से रुपये वसूल रहा है। इसके बाद जिला मादक पदार्थ निरोधक विशेष कार्रवाई दल ने जांच शुरू की। जानकारी मिलने पर फेरोक पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए टीम ने रोजित को रमनट्टुकारा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी विशेष कार्रवाई दल का अधिकारी बनकर विभिन्न ठिकानों पर तलाशी लेता था। इस दौरान वह मादक पदार्थ, खासकर एमडीएमए, जब्त कर लेता और बाद में उसे बेच देता था। वह नशा रखने वालों से रुपये भी वसूलता था।

गिरफ्तारी के समय आरोपी के पास से 2.5 ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ। तलाशी में नकली पुलिस पहचान पत्र, हथकड़ी, हवा वाली पिस्तौल और पुलिस वर्दी में खिंचाई गई तस्वीरें भी मिलीं। पुलिस अब उसके बैंक खातों, पैसों के लेन–देन और मादक पदार्थ तस्करों से संभावित संपर्कों की जांच कर रही है।

ईद मिलाद समारोह में लटका फिलिस्तीनी झंडा, तीन पर मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के शिवमोगा में ईद–ए–मिलाद–उन–नबी समारोह के दौरान फिलिस्तीनी झंडा लहराने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, घटना 24 अगस्त को आरएमएल नगर में हुई। आरोप है कि निहाल उर्फ बेक्कू, उमर और अब्राहर एक समारोह के लिए लगाए गए कटआउट के ऊपर चढ़े और वहां फिलिस्तीनी झंडा लहराया। इस घटना का वीडियो बनाकर इंटरनेट माध्यम पर साझा किए जाने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 353(2), 196(1) और 197 के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों का कहना है कि ऐसी गतिविधि से दो समुदायों के बीच तनाव बढ़ने और सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी।

कटआउट पर चढ़कर झंडा लहराने और वीडियो बनाने का आरोप

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने दर्ज किया मामला

पुलिस अब वीडियो और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। शिवमोगा प्रशासन ने ईद मिलाद के आयोजनों को देखते हुए 25 से 28 अगस्त तक ध्वनि–विस्तारक यंत्रों और पटाखों पर रोक लगाई थी। अधिकारियों के मुताबिक, तेज आवाज से धार्मिक स्थलों, अस्पतालों में भर्ती मरीजों और बुजुर्गों को परेशानी हो सकती थी। पुलिस ने समारोह के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा भी बढ़ाई थी।

कुल्लू में ब्रेक फेल होने से पहाड़ी से टकराई बस

यूनिक समय, नई दिल्ली। रक्षाबंधन के दिन हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे भेखली के पास कटाहर गांव में हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस के ब्रेक अचानक फेल हो गए। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को पहाड़ी से टकराकर रोक दिया। हादसे में 38 यात्रियों के घायल होने की सूचना है। घायलों में बड़ी संख्या महिलाओं की बताई जा रही है, जो रक्षाबंधन पर भाइयों को राखी बांधने के लिए यात्रा कर रही थीं। बस ब्यासर से कुल्लू की ओर लौट रही थी। भेखली के पास पहुंचते ही चालक को ब्रेक में खराबी का पता चला। इसके बाद उसने बस को नियंत्रित करने का प्रयास किया और सड़क किनारे पहाड़ी से टकराकर उसे रोक दिया। टक्कर के कारण बस में सवार यात्रियों में चीख–पुकार मच गई।

बताया जा रहा है कि बस 47 यात्रियों के बैठने की क्षमता वाली थी, लेकिन उसमें 60 से ज्यादा यात्री सवार थे। यात्रियों की अधिक संख्या के कारण हादसे के बाद राहत कार्य में भी अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ी। बस का क्रमांक एचपी–66–1583 बताया गया है। चालक प्रवीण कुमार और परिचालक प्रीतम सिंह बताए गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही जिला आपदा प्रबंधन दल, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे। घायलों को एंबुलेंस से कुल्लू अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में घायलों के परिजन भी पहुंचने लगे। जिस स्थान पर बस हादसे का शिकार हुई, वहां सड़क के किनारे गहरी ढांक है। चालक अगर समय रहते बस को पहाड़ी से नहीं रोकता तो वह ढांक में गिर सकती थी और हादसा कहीं अधिक गंभीर हो सकता था। पुलिस और प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

रक्षाबंधन पर 60 से ज्यादा यात्री थे सवार 38 के घायल होने की सूचना

बस में क्षमता से अधिक यात्री होने की बात

ढांक में गिरने से बची बस, टला बड़ा हादसा

इमरान खान के बेटों ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत और जेल में उनकी स्थिति को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। इसी बीच उनके बेटों सुलेमान और कासिम ने पाकिस्तान सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दोनों ने एक साक्षात्कार में दावा किया कि सरकार उनके पिता को लंबे समय तक जेल में रखकर उनकी आवाज दबाना चाहती है और उनकी जान को खतरा है।

कासिम ने आरोप लगाया कि इमरान खान को दिन में 23 घंटे से अधिक समय तक एकांत कोठरी में रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि हालात बेहद खराब हैं और उनके पिता इसकी तुलना उन राजनीतिक कैदियों से कर रहे हैं, जिनकी जेल में मौत हो चुकी है। दोनों बेटों का दावा है कि इमरान को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा भी नहीं मिल रही है। सुलेमान ने कहा कि हाल में इमरान खान की आंख पर पट्टी बंधी हुई थी और वह तनाव में दिखाई दे रहे थे। उन्होंने सवाल उठाया कि उनकी जांच किसी स्वतंत्र चिकित्सक से क्यों नहीं कराई जा रही है।

सुलेमान और कासिम ने बताया कि उन्होंने 2022 के बाद अपने पिता को सामने से नहीं देखा है। फोन पर उनकी आखिरी बातचीत इस वर्ष मार्च में हुई थी। दोनों ने कहा कि वे इमरान से मिलने पाकिस्तान आना चाहते थे, लेकिन उन्हें वीजा नहीं दिया गया। यह साक्षात्कार ऐसे समय सामने आया है, जब इमरान की स्वास्थ्य स्थिति और जेल में सुविधाओं को लेकर सरकार पर दबाव बढ़ रहा है।

सनातन रक्षा के लिए ब्राह्मणों ने किया श्रावणी उपाकर्म

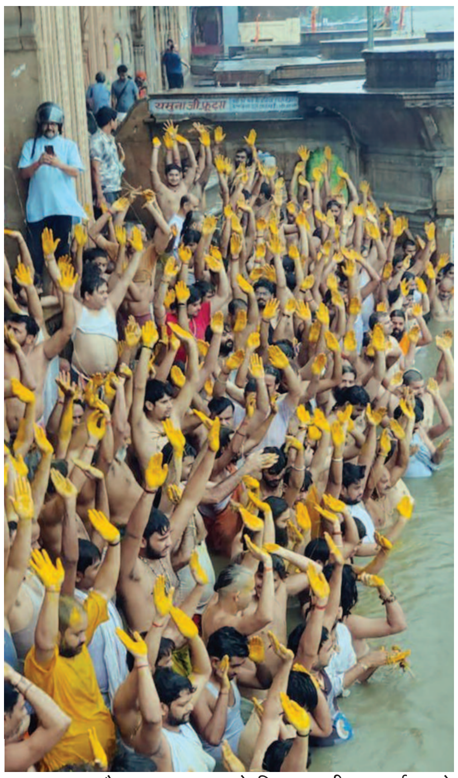

राष्ट्र उत्थान और सनातन रक्षा के लिए श्रावणी उपाकर्म करते ब्राह्मण।

यूनिक समय, वृंदावन। श्रावण पूर्णिमा पर प्राचीन केशी घाट में सैकड़ों ब्राह्मणों ने राष्ट्र उत्थान और सनातन धर्म की रक्षा की कामना के साथ श्रावणी उपाकर्म पूजा की। कार्यक्रम विष्णु कांत शास्त्री के सानिध्य और आचार्य मृदुल कांत शास्त्री के संयोजकत्व में हुआ।

विष्णुकांत ने बताया कि श्रावणी उपाकर्म विप्र समाज के लिए वर्ष में की जाने वाली अनिवार्य पूजा है। मनुष्य से जाने–अनजाने में कई प्रकार के दोष और पाप हो जाते हैं। शुद्धि के लिए यह पूजा महत्वपूर्ण मानी जाती है।

मृदुल कांत, अशोक शास्त्री,पार्वती वल्लभ ने बताया कि पूजा में सबसे पहले हिमाद्रि संकल्प लिया गया। इसके बाद 10 विधि से स्नान कराया गया, जिसमें विभिन्न औषधियों, फलों के रस, हिरण्य, कुशा और दूर्वा आदि का प्रयोग किया गया। आरके पांडे, विनय त्रिपाठी, सुरेश शास्त्री और विपिन बापू ने बताया कि इसके बाद प्राचीन श्री राधाकांत मंदिर में माता अरुंधति सहित सप्त ऋषियों का पूजन किया गया। चारों वेदों के प्रमुख मंत्रों और उनके ऋषियों का श्रवण भी कराया गया। दिल्ली से आए संजीव अग्निहोत्री, कार्ष्णि और रामचंद्र दास ने बताया कि इसी दिन यज्ञोपवीत का पूजन कर ब्रह्मा, विष्णु और महेश का आह्वान किया जाता है। इस अवसर पर नीरज गौड़, निरंजन गौतम, विष्णु गौतम, रवि शंकर मिश्रा, प्रदीप बल्लभ गोस्वामी,नरोत्तम लाल, नागेश मिश्रा, ब्रज अग्रवाल और पंकज शास्त्री सहित सैकड़ों विप्रजन उपस्थित रहे।

दुकान से बाजार गया व्यापारी लापता परिजनों ने थाने में दी गुमशुदगी

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के एक व्यापारी के रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने से परिवार में हड़कंप मचा हुआ है। परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराकर पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार, शुभम जैन निवासी कच्ची मंडी, कोसीकलां 26 अगस्त की सुबह अपनी दुकान से यह कहकर निकला था कि वह बाजार से कुछ सामान लेकर अभी आता है, लेकिन काफी देर तक न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारी और आसपास के बाजार में खोजबीन के बाद भी जब कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई।

38वीं क्षेत्रीय हॉकी और फुटबॉल प्रतियोगिता 29 अगस्त से

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन मार्ग स्थित बीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर में विद्या भारती पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के तत्वावधान में 38वीं क्षेत्रीय हॉकी-फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 29 अगस्त से एक सितंबर 2026 तक किया जाएगा। प्रतियोगिता में मेरठ प्रांत, ब्रज प्रांत और उत्तराखंड के विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभावान खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे।

श्री रामलीला संस्थान का चुनाव 30 को

यूनिक समय, कोसीकलां। श्री रामलीला संस्थान की बैठक गुरुवार को तालाब शाही स्थित राम भवन पर अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि श्री रामलीला संस्थान के अध्यक्ष पद का चुनाव 30 अगस्त को शाम चार बजे श्री राम–भरत मिलाप चौक पर हनुमान जी के झंडे के नीचे कराया जाएगा। बैठक में चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने पर चर्चा हुई। इस दौरान रामलीला संस्थान के अध्यक्ष अजय मंगला, राहुल मंगला, अजय गोयंका, गोपाल शर्मा, सोनू मंगला, मनीष गुड वाले, हरेंद्रपाल सिंह, अन्नू अग्रवाल, मनीष जैन सहित सभी पदाधिकारी और सदस्यगण मौजूद रहे।

कोसीकला में 31 अगस्त को लगेगा निःशुल्क मेगा हार्ट कैंप

यूनिक समय, कोसीकलां। बैंक ऑफ बड़ौदा, अग्रसेन नगर में 31 अगस्त को निःशुल्क मेगा हार्ट कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक लगेगा। कैंप में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय कुमार द्वारा मरीजों को निःशुल्क परामर्श और जांच की सुविधा दी जाएगी। सीने में दर्द, घबराहट, बेचैनी, जलन, सांस फूलना, थकान, चक्कर आना और हृदयघात जैसी समस्याओं से पीड़ित मरीज कैंप का लाभ ले सकते हैं। यह जानकारी व्यापारी नेता ललित कुमार एडवोकेट ने दी।

बरसाना पुलिस ने तीन वाहन चोर दबोचे, सामान बरामद

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोरी गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के वाहन और कटे हुए कल–पुर्जे बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 28 अगस्त को रात 2:26 बजे ग्राम रांकौली के जंगल में पेड़ों के बीच दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश निवासी अजीजाबाद, थाना हसनपुर, पलवल, हरियाणा, पवन निवासी सिलोठी, थाना पलवल और फतेह मोहम्मद निवासी खोरी शाह चौका, थाना पिनगुआ, नूंह, हरियाणा के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की तीन मोटरसाइकिल, दो स्कूटी, एक मोटरसाइकिल का इंजन, छह मोटरसाइकिलों के पहिए, वाहनों के कटे हुए हिस्से और विभिन्न कल–पुर्जे बरामद किए।

इसके अलावा चोरी के वाहनों की एक आरसी और वाहन काटने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी मिले हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

डीग अड्डा पर खुला नाला बना हादसे का सबब, जिम्मेदार मौन

डीग अड्डा पर खुला नाला।

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन–नीमगांव मार्ग स्थित डीग अड्डा पर खुला पड़ा नाला हादसे को न्योता दे रहा है। अधिकमास के दौरान पेट्रोल पंप के समीप नाले की सफाई कराई गई थी, लेकिन सफाई के बाद इसे अब तक ढका नहीं गया है। इससे राहगीरों, श्रद्धालुओं, बच्चों और गोवंश के नाले में गिरने का खतरा बना हुआ है।

पेट्रोल पंप स्वामी के अनुसार, खुले नाले को ढकने के लिए नगर पंचायत प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को कई बार सूचना दी जा चुकी है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। नाले के आसपास वाहन और ठेलियां खड़ी रहती हैं, जबकि बच्चे भी वहां से गुजरते हैं। इससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ समय पहले तेल भरवाने आया अनाज से लदा ट्रैक्टर भी नाले में पलट गया था। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों ने शीघ्र नाले को ढकवाने की मांग की है।

बारह वफात के जुलूस का समापन, मुस्लिम समाज ने पुलिस का जताया आभार

जुलूस समापन पर पुलिस अधिकारियों का सम्मान करते मुस्लिम समाज के लोग।

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में बुधवार को ईद–ए–मिलादुन्नबी के अवसर पर निकला जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। जुलूस के समापन पर मुस्लिम समाज के लोगों ने पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आभार जताया।

मुस्लिम समाज के लोगों ने बताया कि जुलूस परंपरागत मार्गों से निकाला गया। पुलिस प्रशासन की सतर्कता और सहयोग से पूरे कार्यक्रम के दौरान शांति व्यवस्था बनी रही। इस दौरान समाज के इस्लाम कुरैशी, इदरीश मैम्बर, सरफराज, मन्नू कुरैशी, इकराम कुरैशी आदि ने घंटाघर चौराहे पर थाना पुलिस के अधिकारियों को फूल–माला पहनाई और उपहार भेंट किया। उपस्थित लोगों ने पुलिस की कार्यशैली की सराहना की।

फर्जी दस्तावेजों से सामान खरीदने वाले दो गिरफ्तार

दोनों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

कूटरचित आधार-पैन से लेते थे ऋण पर सामान

यूनिक समय, मथुरा। महावन पुलिस ने फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड तैयार कर वित्तीय कंपनियों से ऋण पर मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सामान समेत अन्य वस्तुएं लेने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को 27 अगस्त को उनके आगरा स्थित घरों से पकड़ा।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजय कुमार निवासी वैभव स्टेट, बोदला–बिचपुरी रोड, आगरा और प्रिंस निवासी देवरी रोड, लक्ष्मी विहार फेस–2, आगरा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी कूटरचित आधार और पैन कार्ड का इस्तेमाल कर अलग–अलग वित्तीय कंपनियों से ऋण पर सामान लेते थे।

दोनों की गिरफ्तारी थाना महावन में दर्ज मुकदमा संख्या 169/2026 के संबंध में की गई है। मामले में धोखाधड़ी, कूटरचना और जाली दस्तावेजों के इस्तेमाल की धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

संजय कुमार को शाम छह बजे और प्रिंस को रात 8:15 बजे उनके घरों से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

कई माह से अधूरा पड़ा है कोसी का घंटाघर

पिलर खड़े कर लगाई शेटरिंग, भरत मिलाप मेला नजदीक

अधूरा पड़ा कोसी का घंटाघर निर्माण का काम।

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के मुख्य बाजार स्थित घंटाघर का निर्माण कार्य कई महीनों से अधर में लटका हुआ है। ध्वस्तीकरण के बाद केवल पिलर खड़े कर सेटिंग लगा दी गई है, लेकिन आगे का काम शुरू नहीं हो पाया है, जबकि नगर का ऐतिहासिक भरत मिलाप मेला नजदीक आ गया है।

बता दें कि जर्जर घंटाघर के ध्वस्तीकरण का शुभारंभ बीते साल छह सितंबर को कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण और चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल ने हथौड़ा चलाकर किया था। उस दौरान दावा किया गया था कि मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा करीब एक करोड़ 70 लाख की लागत से छह माह में भव्य घंटाघर का नवनिर्माण करा दिया जाएगा। आगरा की फर्म ने तीन लाख रुपये में ध्वस्तीकरण का ठेका लिया था, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी निर्माण पूरा नहीं हो पाया।

ऊ नर्माझा के नाम पर ठेकेदार पिलर खड़े कर सेटरिंग लगाकर छोड़ दिया गया है। कई महीने बीत चुके हैं, लेकिन लेंटर और आगे का कार्य शुरू नहीं हुआ है। अधूरे निर्माण के कारण नगर के मध्य में लगा सेटरिंग का जाल बाजार की शोभा खराब कर रहा है। नगर के ऐतिहासिक भरत मिलाप मेले में लाखों श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है, ऐसे में अधूरा पड़ा घंटाघर नगर की छवि पर सवाल खड़ा कर रहा है। स्थानीय दुकानदार हेमंत दीक्षित, ओम प्रकाश गोयल, बंशी, विमलचंद जैन, अब्दुल मजीद, रहीश कुरैशी आदि ने प्रशासन से जल्द निर्माण शुरू कराने की मांग की है।